दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 30 | अंकः 253 | भोपाल, शनिवार 27 सितंबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

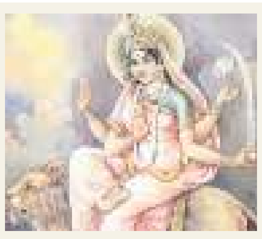

कात्यायनी

(छठवां दिवस)
चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी।।

माँ दुर्गा के छठवें स्वरूप का नाम कात्यायनी है। दुर्गा पूजा के छठवें दिन इनके स्वरूप की उपासना की जाती है। उस दिन साधक का मन 'आज्ञा चक्र' में स्थित होता है। योग साधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है।

चंडीगढ़ एयरबेस से मिग-21 की विदाई

चंडीगढ़। भारतीय वायुसेना में शामिल पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट मिग-21 की शुक्रवार को चंडीगढ़ में विदाई हो गई। एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने इस जेट में अंतिम उड़ान भरी। अब यह जेट आसमान के बजाय म्यूजियम में नजर आएगा। इसके लिए चंडीगढ़ एयरबेस में समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि 62 साल से यह फाइटर जेट भारत और रूस के बीच गहरे संबंधों का प्रमाण रहा है। रक्षामंत्री ने कहा कि मिग-21 अनेक वीरतापूर्ण कार्यों का साक्षी रहा है। इसका योगदान किसी एक घटना या युद्ध तक सीमित नहीं रहा। 1971 के युद्ध से लेकर कारगिल संघर्ष तक, या बालाकोट एयर स्ट्राइक से ऑपरेशन सिंदूर तक, ऐसा कोई क्षण नहीं रहा जब मिग-21 ने हमारे सशस्त्र बलों को जबरदस्त ताकत प्रदान न की हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट - 2025 का किया शुभारंभ

शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। नागरिकों का जीवन और अधिक सरल, सहज और सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेहतर सार्वजनिक सुविधांए नागरिकों और समाज को न केवल मजबूत करती है बल्कि उन्हें जिम्मेदार भी बनाती हैं। इसी दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों का विकास उनकी तासीर और विशिष्ट पहचान के अनुरूप किया जा रहा है। शहरों के विकास में हम वहां की पुरा-धरोहरों और विरासतों का भी ध्यान रख रहे हैं। ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में हम योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। अर्बन डेवलपमेंट के लिए कार्बन उत्सर्जन पर पूर्ण रोक लगाना एक बिग टास्क है। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए नागरिकों को स्वच्छ परिवेश देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे।

मेट्रो ट्रेन के साथ फ्लाई ओवर ब्रिज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़े शहरों में मेट्रोपोलिटन सिटी रीजन की परिकल्पना के साथ सभी प्रमुख नगरों में मेट्रो ट्रेन सेवा और बड़े फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सरल और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट सिटीज का निर्माण कर लोगों की नई पीढ़ी की जरूरतें पूरी की जा रही हैं। इन सभी प्रयासों से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास की नई धारा बहेगी और नागरिकों का जीवन और अधिक सुखद एवं सुरक्षित बनेगा।

● ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से बढ़ रहे हैं आगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो रहा है। हमारा इंदौर लगातार 8 वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर है, हमारे अन्य प्रमुख शहर जैसे भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर भी डिजिटल सु-शासन, गतिशीलता और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देते हुए उत्कृष्ट शहरों के रूप में उभरे हैं। प्रदेश में अफॉर्डेबल हॉउसिंग के अंतर्गत 8.56 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जिनमें से लगभग 7.75 लाख (82 प्रतिशत) आवास परिवार की महिलाओं या संयुक्त नाम से हैं। हमने लगभग 10 लाख नये घरों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है, जिस पर 50 हजार करोड़ का निवेश होना संभावित है। अमृत योजना 2.0 में सभी नगरीय निकायों को शामिल किया गया है।

योजना के अंतर्गत जल आपूर्ति में 5869 करोड़ रुपये की 297 परियोजनाओं में से 3450 करोड़ रुपए की 224 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो चुके हैं।

सीवरेज की 4932 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं में से 1312 करोड़ रुपये की 04 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो गया है, इससे प्रदेश की लगभग 60 प्रतिशत शहरी आबादी लाभान्वित होगी। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों के संभावित विस्तार के दृष्टिगत हमारी सरकार द्वारा %मध्यप्रदेश मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम, 2025% को मंत्रि-परिषद से स्वीकृति भी मिल गई है। विकसित मध्यप्रदेश- 2047 के तहत प्रदेश का 2 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य है, जिसमें शहरी क्षेत्रों की भागीदारी महत्वपूर्ण रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। इंदौर में मेट्रो का संचालन प्रारंभ हो चुका है। अक्टूबर 2025 में भोपाल के एक कॉरिडोर पर मेट्रो संचालित होने जा रही है।

सिंहस्थ-2028 के पहले ऐसी अनेक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनसे श्रद्धालु आसानी से और कम समय में, कम ऊर्जा खर्च किए श्रद्धा स्थलों तक पहुँच सकेंगे। प्रदेश में जनसामान्य के जीवन, स्वास्थ्य, संपत्ति एवं पर्यावरण की रक्षा हेतु एक सुदृढ़, उत्तरदायी एवं वैज्ञानिक आधार पर संचालित अग्नि एवं आपातकालीन सेवा तंत्र की स्थापना की जा रही है। जन परिवहन को सुगम और व्यवस्था को सुदृढ़ करके की दिशा में हमारी सरकार ने नई ईवी पॉलिसी लागू की है। ईवी पॉलिसी के माध्यम से मध्यप्रदेश में जनसामान्य द्वारा ईवी को तेजी से अपनाना, सब्सिडी और शुल्क माफी के माध्यम से खरीदारों को लाभान्वित करना, चार्जिंग बुनियादी ढांचे, विनिर्माण और कौशल विकास के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अग्नि एवं आपातकालीन सेवा अधिनियम, 2025 वर्तमान में नगरीकरण, औद्योगिकीकरण और जनसंख्या घनत्व में तीव्र वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में अग्नि एवं आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक व्यापक एवं सुसंगत अग्नि सेवाओं के सुव्यवस्थित नियमन, नियंत्रण, निरीक्षण, प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रमाणीकरण तथा उत्तरदायित्व निर्धारण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

डॉ मनमोहन की जयंतीः पीएम मोदी ने योगदान को सराहा, खरगे बोले- वे आर्थिक सुधारों के जनक

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री, दिवंगत डॉ मनमोहन सिंह की जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को सराहना की। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे ने उन्हे पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ सिंह आर्थिक सुधारों के जनक हैं और उनके सुधारों से आज भी देश लाभान्वित हो रहा है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी डॉ सिंह के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। एक्स पर अपने संदेश में उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। देश की सेवा में उनके वर्षों को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। इससे पहले कांग्रेस ने भी उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती के मौके पर शुक्रवार को देश के विकास में उनके योगदान को याद किया।

बिहार में पीएम मोदी ने दी महिलाओं को बड़ी सौगात

सीधे खाते में भेज दिए 10-10 हजार

एजेंसी | पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार की महिलाओं को कई सौगातें दी। उन्होंने सीधे 10-10 हजार की राशि उनके खातों में ट्रांसफर की और दावा करते हुए कहा कि आपके दो भाई नरेंद्र और नीतीश आपकी खुशहाली और समृध्दि के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने आज शुक्रवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही बिहार की 75 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये ट्रांसफर किये।

इस योजना का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और महिलाओं में स्वरोजगार के अवसर को बढ़ाना है। जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपका ये भाई तब खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ हो, परिवार खुश हो। आज आपके दो भाई नरेंद्र और नीतीश मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं। आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में फोर्स-पुलिस में आ रही हैं। लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। वहीं इस मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा, बिहार में पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। 24 नवंबर 2005 से जब से एनडीए की सरकार बनी हम काम में लगे हैं।

राजग पर जमकर साधा निशाना

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा हमें वो दिन भी नहीं भूलने है, जब बिहार में राजद की सरकार थी। अराजकता की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं ने ही झेली हैं। उस समय सड़क, पुल-पुलिया का नाम तक नहीं था, इन चीजों से सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाओं को ही होती है। राजद के राज में बिहार में खौफ था। नक्सली आतंक बेहिसाब था। इसका दर्द सबसे ज्यादा महिलाओं को सहना पड़ता था।आज जब नीतीश जी के नेतृत्व में कानून का राज लौटा है तो सबसे ज्यादा राहत महिलाओं ने महसूस की हैं। आज बेटियां बेखौफ होकर घर से निकलती हैं।

पीएम ने दीदीयों से किया संवाद

भोजपुर की रीता देवी की बातें सुनकर प्रधानमंत्री मुस्कुरा दिए। उन्होंने कहा, आप कितनी जल्दी-जल्दी बोलती हैं। आपने तो इतनी सारी योजनाएं गिनवा दीं। पीएम ने हाथ जोड़कर रीता देवी का अभिवादन किया। गयाजी के नूर जहां खातून की बातें सुनकर पीएम ने कहा, आपने बढ़िया तरीके से बताया। मेरा एक काम करेंगी। आप हफ्ते में 50 दीदी को इकट्ठा कर के अपनी बातों को समझाइए। उन लोगों को इससे प्रेरणा मिलेगी।

बरेली-मऊ में *आई लव मोहम्मद* विवाद पर बवाल

जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतरी, पथराव, पुलिस ने लाठीचार्ज किया

एजेंसी | बरेली

बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद विवाद को लेकर 3 जगहों पर बवाल हो गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे भगदड़ मच गई।

दरअसल, मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिमों से शहर के इस्लामिया ग्राउंड में प्रदर्शन करने की अपील की थी। जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतर आई और जबरन ग्राउंड में जाने की जिद पर अड़ गई। पुलिस के मुताबिक, भीड़ को रोका गया। इस पर भीड़ ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। धार्मिक नारे लगाए और उग्र हो गए। पथराव शुरू कर दिया। छतों से भी पत्थर फेंके। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। बारादरी और प्रेमनगर क्षेत्र में भी बवाल हुआ। पुलिस ने शहर में बाजार बंद करा दिए। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। मौलाना तौकीर रजा इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष हैं। इन पर 2010 में बरेली में दंगा करवाने का भी आरोप है। मामला अभी कोर्ट में है।

वहीं, मऊ में भी जुमे की नमाज के बाद आई लव मोहम्मद विवाद पर बवाल हो गया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को खदेड़ा।

दरअसल, वहां कुछ लोगों ने आई लव मोहम्मद का जुलूस निकालना शुरू कर दिया। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं माने और नारेबाजी करते रहे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों ने जुलूस में शामिल लोगों पर लाठियां भांजकर उन्हें तितर-बितर किया।

मां के सामने 5 साल के बेटे का सिर काटाः हथियार लेकर घर में घुसे युवक ने किए दो टुकड़े

नगर प्रतिनिधि | कुक्षी

धार में घर में घुसकर 5 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई। आरोपी ने धारदार हथियार से मासूम के दो टुकड़े कर दिए। बचाने आई मां पर भी हमला किया। आरोपी की पहचान महेश मायड़ा निवासी जोबट के रूप में हुई है। फिलहाल, वारदात की वजह का पता नहीं चल पाया है। मामला कुक्षी थाना इलाके के आली गांव में सुबह करीब 10.30 बजे का है। यहां धूलबहेड़ी मोहल्ले में बच्चा अपनी मां के साथ घर में था। आरोपी बाइक से वहां पहुंचा। घर में घुसा और धारदार हथियार से बच्चे पर ताबड़तोड़ वार किए। आरोपी ने भागने की कोशिश की, तो परिजन और गांव वालों ने उसे पकड़ कर बांध दिया।

उसकी जमकर पिटाई भी की। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे छुड़वाया। उसे मेडिकल के लिए ले जाया गया। यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कुक्षी से करीब सात किलोमीटर दूर आली गांव में कालू सिंह परिवार के साथ रहते हैं।

लेह हिंसाः सोनम वांगचुक अरेस्ट, दो दिन पहले प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी ऑफिस फूंका था

एजेंसी | लेह

लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को शुक्रवार को अरेस्ट कर लिया गया। सरकार ने वांगचुक पर लेह में दो दिन पहले हुई हिंसा का जिम्मेदार माना था। हालांकि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि उनकी गिरफ्तारी किस मामले में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वांगचुक को लद्दाख से बाहर ले जाया गया है। वहीं लेह में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद से लगातार तीसरे दिन कर्फ्यू जारी है। स्कूल-कॉलेज शनिवार तक बंद हैं। लेह में पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की थी। इसमें 4 युवाओं की मौत हुई थी। 80 घायल हो गए थे, इनमें 40 पुलिसकर्मी शामिल हैं। अब तक 60 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका विचार योग्य नहीं कह याचिका खारिज की

एजेंसी | मुंबई

आईआरएस अधिकारी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उनकी मानहानि की याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। यह याचिका उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ, 2 करोड़ के मानहानि के दावे के साथ दाखिल की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका को विचार योग्य नहीं मनाकर खारिज किया। न्यायाधीश ने सवाल उठाया कि जब यह मामला मुंबई से संबंधित है, तब यह याचिका दिल्ली में कैसे विचार योग्य है। इस पर वानखेड़े के वकील ने तर्क दिया कि वेब सीरीज दिल्ली सहित कई जगहों पर स्ट्रीम हुई है, और इससे उनकी प्रतिष्ठा को दिल्ली में भी नुकसान हुआ है, इसलिए याचिका दिल्ली में विचार योग्य है। हालांकि, दिल्ली कोर्ट ने वानखेड़े को याचिका में संशोधन करने और उपयुक्त फोरम में दोबारा दाखिल करने की छूट दी है। बात दें कि एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर वानखेड़े ने यह याचिका शाहरुख के सुपुत्र आर्यन खान द्वारा निर्देशित वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के खिलाफ दायर की थी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। यह सीरीज साल 2021 के क्रूज ड्रग्स केस में आर्यन खान के अनुभव पर आधारित है, जिसमें वानखेड़े ने आर्यन को गिरफ्तार किया था और उन्हें 27 दिन जेल में रहना पड़ा था, हालांकि बाद में उन्हें क्लीन चिट मिल गई थी।

ट्रंप ने 73 साल की बुजुर्ग महिला को बेड़ियां बांधकर भारत भेजा

अमृतसर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड का प्रशासन अब हैवानियत पर उतर आया है। इसका ताजा उदाहरण मोहाली की 73 साल की बुजुर्ग हरजीत कौर हैं। उन्हें भारत भेजने के लिए अमेरिका ने जो हरकत की है वो पूरी दुनिया को शर्मसार करती है। 32 साल से अमेरिका में रह रहीं हरजीत को जब भारत भेजा गया तो उन्हे हथकड़ी और बेड़ियां बांधी गई थी। परिवार का तर्क है कि वह तीन दशक से अमेरिका में रह रही थीं, उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। वर्ष 2012 में उनकी एप्लिकेशन रिजेक्ट कर दी गई। कुछ दिन पहले उन्हें यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट ने हिरासत में लिया था।

मध्यप्रदेश में 7 जिलों से भी मानसून लौटा

जबलपुर समेत 12 जिलों में हल्की बारिशः एमपी में अगले 2 दिन हल्की बारिश का दौर

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश से मानसून की विदा ले रहा है। शुक्रवार को 7 जिले ग्वालियर, गुना, रतलाम, मंदसौर, शिवपुरी, दतिया और आगर-मालवा से भी मानसून की विदाई हुई। वहीं, उज्जैन, राजगढ़ और अशोकनगर जिले के कुछ क्षेत्रों से भी मानसून के लौटने की अधिकृत घोषणा मौसम विभाग ने कर दी।

विदाई के बीच मध्यप्रदेश में बारिश का दौर भी जारी किया है। शुक्रवार को छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, मंडला, नरसिंहपुर, रीवा सतना, सिवनी, सीधी, उमरिया, बालाघाट, नर्मदापुरम के पचमढ़ी में बारिश हुई। पचमढ़ी में आधा इंच से ज्यादा पानी गिर गया। इससे पहले नीमच, श्योपुर, भिंड और मुरैना से मानसून पूरी तरह से लौट चुका है। इन्हें मिलाकर एमपी से अब तक 11 जिलों में मानसून पूरी तरह से और 3 जिलों से आंशिक रूप से विदा हो गया है। हालांकि, मध्यप्रदेश से विदाई ले रहा मानसून जाते-जाते भी जमकर बरसेगा। मौसम विभाग ने 28 और 29 सितंबर को इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर और उज्जैन संभाग में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, इससे पहले कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

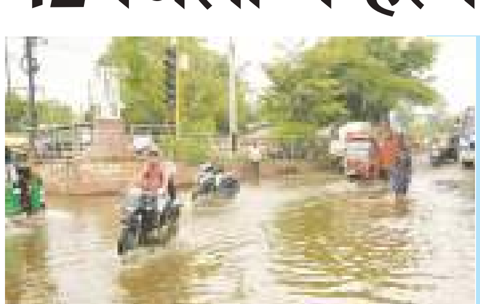

लो प्रेशर एरिया की वजह से बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के चार जिले- नीमच, श्योपुर, भिंड और मुरैना से मानसून लौट चुका है। अगले एक-दो दिन में ग्वालियर, दतिया और मंदसौर से भी मानसून के लौटने की संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए इन जिलों में बारिश की चेतावनी जारी नहीं की। बाकी सभी जिलों में हल्की बारिश, गरज-चमक होने के आसार जताए हैं। अगले 2 दिन तक कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन 28 और 29 सितंबर को तेज बारिश का अलर्ट है। इंदौर, देवास, खरगोन, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, उज्जैन, शाजापुर, सीहोर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा में बारिश हो सकती है।

इन चार जिलों से लौट चुका है मानसून

राजस्थान, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के साथ मध्यप्रदेश से भी मानसून की विदाई शुरू हो गई है। 4 जिले- नीमच, भिंड, मुरैना और श्योपुर से सबसे पहले मानसून विदा हुआ है। यहां अबकी बार 35 से 115 प्रतिशत तक बारिश ज्यादा हुई है। चंबल संभाग के श्योपुर में सामान्य 26.2 इंच के मुकाबले 56.6 इंच पानी गिर गया, जो 115 प्रतिशत अधिक है। भिंड में 32.4 इंच, मुरैना में 37 इंच और नीमच में 42.9 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य बारिश से ज्यादा है। बता दें कि इस साल मानसून ने मध्यप्रदेश में 16 जून को दस्तक दी थी। समय से एक दिन बाद मानसून प्रदेश में एंटर हुआ था। बुधवार को जिन जिलों से मानसून की विदाई हुई है, उनमें अमूमन 30 सितंबर तक ऐसा होता है। इस बार 6 दिन पहले ही यहां से मानसून लौट गया है। 6 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी जिलों से मानसून विदा हो जाता है।

अब तक 118 प्रतिशत बारिश हो चुकीः बता दें, प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 44.1 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 36.9 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 7.2 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है।

संपादकीय

एच1बी वीजा - भारतीय लोगों के साथ ही अमेरिकी हितों पर पड़ सकता है विपरीत प्रभाव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले कुछ समय से जिस तरह के फैसले ले रहे हैं, उसमें एक विचित्र अस्थिरता दिख रही है। इससे यह भी पता चलता है कि वे शायद हड़बड़ी में ऐसे नीतिगत फैसले भी ले रहे हैं, जिनमें थोड़े ही वक्त बाद उन्हें बदलाव करना पड़ता है। बीते हफ्ते शुक्रवार को उन्होंने एच1बी वीजा के लिए लागत में पचास गुना बढ़ोतरी करके उसे एक लाख डालर यानी करीब अठासी लाख रुपए करने की घोषणा कर दी। इस शुल्क का भुगतान एकमुश्त करना होगा। जाहिर है, इसके बाद व्यापक पैमाने पर चिंता जताई जाने लगी कि अगर यह घोषणा अमल में आई तो खासतौर पर वहां भारतीयों के सामने कैसी स्थितियां पैदा होंगी, वे कैसे और कितने दिन टिक सकेंगे। मगर जैसे ही इसके असर की व्यापकता बहस का मुद्दा बनी, उसमें यह पक्ष भी सामने आया कि अगर यह अमल में आता है तो इससे खुद अमेरिकी हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इसके बाद मची उथल-पुथल के बीच इस मसले पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश की गई और पहले के फैसले को बदलते हुए कहा गया कि यह शुल्क सिर्फ नए आवेदकों पर लागू होगा और एक बार ही देना पड़ेगा। निश्चित रूप से वहां एच1बी वीजा पर रह रहे भारतीयों के लिए फिलहाल यह राहत की बात होगी कि ताजा फैसले की जद में वे नहीं आएंगे। मगर पिछले कुछ समय में ऐसे कई उदाहरण सामने आए, जिनमें ट्रंप ने बार-बार अपने फैसले में बदलाव किया। यह स्थिति तब है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और आए दिन ऐसे संकेत सामने आ रहे हैं, जिससे पता चलता है कि परिस्थितियों में बदलाव भी आ सकता है। इस क्रम में भारत पर दबाव बनाने के मकसद से अमेरिका ने आयातित वस्तुओं पर शुल्क लगा दिया और यहां तक कि रूस से तेल खरीदने के मामले में भी गैरजरूरी दखल देने की कोशिश की। सवाल है कि इसका असर आखिर क्या पड़ रहा है। अब तेजी से बदलती भू-राजनीतिक कूटनीति के दौर में वैश्विक समीकरण भी बदल रहे हैं। ऐसे में अमेरिका को शायद यह समझने की जरूरत है कि द्विपक्षीय संबंधों में बराबरी के स्तर पर एक दूसरे के हितों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

अमेरिकी आत्मघाती वीजा बंदिशें, भारत के नये अवसर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

(ललित गर्ग)

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के पेशेवरों, खासकर भारतीयों के सपनों पर एक नई काली छाया डाल दी है, उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है एवं एक बड़ा संकट खड़ा दिया है। 21 सितंबर की रात 12 बजे के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वालों को एच1बी वीज़ा प्राप्त करने के लिए लगभग एक लाख डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपये सालाना शुल्क देना होगा। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा, प्रतिभा-प्रवास और अमेरिका-भारत संबंधों पर गहरा प्रभाव डालने वाला कदम है। अमेरिका के इस कदम के बाद भारत को अपनी आत्म-निर्भरता, स्वदेशी भावना एवं देश की प्रतिभाओं का देश में ही उपयोग को बल देना होगा। भारत अब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के साथ अवसरों की भूमि बन रहा है। इसलिये अमेरिका के निर्णय से ज्यादा परेशान होने की बजाय इसको सकारात्मक दृष्टि से लेने की जरूरत है।

निश्चित ही अमेरिका दशकों से अवसरों की भूमि माना जाता रहा है। यहां आने का सपना रखने वालों के लिए एच1बी वीज़ा एक सुनहरा टिकट एवं उन्नत जीवन का आधार रहा है। हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ इस वीज़ा के माध्यम से अमेरिका जाकर अपने सपनों को साकार करते रहे हैं। सिलिकॉन वैली की चमक और वहां भारतीय प्रतिभाओं का वर्चस्व इसका जीता-जागता प्रमाण है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम और फेसबुक जैसी दिग्गज कंपनियों में उच्च तकनीकी पदों पर भारतीय मूल के लोगों की उपस्थिति सर्वाधिक है। भारतीय आईटी पेशेवरों के बिना अमेरिकी तकनीकी जगत की कल्पना करना कठिन है। एच-1 बी वीजा की फीस में अप्रत्याशित वृद्धि का फैसला भारतीय आईटी कंपनियों के साथ अमेरिकी हितों को भी चोट पहुंचाने वाला है। इनमें आइटी सेक्टर से इतर क्षेत्र की कंपनियां भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि उनके फैसले की आलोचना अनेक अमेरिकी ही कर रहे हैं। यदि ट्रंप यह सोच रहे हैं कि एच-1बी वीजा धारकों की फीस एक हजार डालर से एक लाख डालर सालाना करने से भारतीय और अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के युवाओं को नौकरी देने के लिए बाध्य हो जाएंगी तो यह उनकी भूल है, क्योंकि इन कंपनियों को जैसे और जितने सक्षम युवा पेशेवर चाहिए, वे अमेरिका में हैं ही नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी भूल रहे हैं कि अमेरिका के आर्थिक विकास में अप्रवासियों विशेषतः भारतीय प्रतिभाओं का सर्वाधिक योगदान है और यह केवल पेशेवर लोगों का ही नहीं, बल्कि कामगारों का भी है।

भले ही ट्रंप प्रशासन का यह आदेश उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति की अगली कड़ी है। उनका तर्क है कि विदेशी पेशेवर सस्ते श्रम के रूप में अमेरिकी नागरिकों की नौकरियां छीन रहे हैं। शुल्क इतना अधिक करके वे चाहते हैं कि केवल वही विदेशी पेशेवर अमेरिका आएं, जो न केवल उच्च योग्यता रखते हों बल्कि भारी शुल्क अदा करने की क्षमता भी रखते हों। लेकिन यह कदम अमेरिका के लिये ही आर्थिक दृष्टि से आत्मघाती साबित हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भारी ज़रूरत है और भारतीय आईटी पेशेवरों की कमी वहां सीधे तौर पर नवाचार और प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगी। ट्रंप के फैसले को आपदा नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।

पहले भारतीय प्रतिभा अमेरिका की ओर बहती थी, अब यह प्रवाह कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर की ओर मुड़ सकता है। छात्र और युवा पेशेवर पहले से ही अमेरिकी वीज़ा नीतियों को लेकर असमंजस में रहते थे। अब यह आदेश उनके आत्मविश्वास और योजनाओं को और झकझोर देगा। हालांकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि कई युवा भारत में ही स्टार्टअप्स, शोध और नई तकनीक के क्षेत्रों में काम करने की ओर आकर्षित होंगे। भारत पर इस नीति का असर केवल युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक असर डाल सकता है। भारतीय आईटी कंपनियां जैसे इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो आदि अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यरत हैं। एच1बी वीज़ा पर निर्भरता ज्यादा होने के कारण उनका खर्च बढ़ेगा और प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी। भारतीय पेशेवर हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, वीज़ा बाधाओं से यह प्रवाह घटेगा। हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा लेकर वहीं काम करने का सपना देखते हैं। अब शुल्क की बाधा उनके लिए अमेरिका को कम आकर्षक बनाएगी। साथ ही भारत में ही वैश्विक स्तर के शोध और नवाचार केंद्र विकसित करने की संभावना भी बढ़ेगी।

अमेरिका और भारत के संबंध बीते दो दशकों में आर्थिक, रणनीतिक और तकनीकी सहयोग की नई ऊँचाइयों पर पहुंचे हैं। अमेरिका ने भारत को रणनीतिक साझेदार माना है। रक्षा, व्यापार और तकनीक में गहरे संबंध बने हैं और भारतीय प्रवासी अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन ट्रंप के निर्णय से यह संदेश गया है कि अमेरिका भारत को साझेदार तो मानता है, लेकिन जब घरेलू राजनीति का दबाव आता है तो साझेदारी पीछे छूट जाती है। भारत-अमेरिका संबंधों का आधार लोगों से लोगों का संपर्क रहा है। यदि भारतीय पेशेवर अमेरिका में कम होते हैं तो यह आधार कमजोर होगा। इन जटिल से जटिलतर होती स्थितियों में भारतीय कंपनियों को देश में ही अपना कारोबार बढ़ाने के जतन करने चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में ट्रंप कुछ और ऐसे कदम भारतीय हितों को आहत करने वाले उठा सकते हैं। उन्होंने भले ही टैरिफ के मामले में लचीला रवैया अपनाते हुए भारत से शीघ्र व्यापार समझौता होने की संभावना जताई हो, लेकिन वे अब भी भारतीय हितों के विपरीत काम करते दिख रहे हैं। वे केवल यही दबाव नहीं बना रहे कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करे, बल्कि उन्होंने ईरान के चाबहार बंदरगाह में भारत के लिए मुसीबत खड़ी करने का काम किया है। ट्रंप अपने फैसलों को इस रूप में रेखांकित कर रहे हैं कि उनसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पंख लग जाएंगे, लेकिन आठ माह का उनका कार्यकाल उनकी नाकामी ही बयान कर रहा है।

चौंकाने वाले फैसले लेना भले ही ट्रंप की आदत हो, लेकिन सेवा क्षेत्र में पहली बार अपनी संरक्षणवादी नीति के दर्शन करा, वह भूल रहे हैं कि अमेरिका को बनाने में अप्रवासियों की बड़ी भूमिका रही है। सिलिकॉन वैली के करीब एक-तिहाई टेक-कर्मचारी भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्यून 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में शीर्ष पर भारतीय बैठे हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इंजन भी हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे, जिनका कुल मूल्य करीब 195 अरब डॉलर आंका गया था। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। अमेरिकी आबादी में बमुश्किल डेढ़ फीसदी होने के बावजूद भारतीय पांच से छह फीसदी कर अदा करते हैं। नैसकॉम का यह कहना उचित ही है कि एच-1बी वीजा जैसे फैसलों का नकारात्मक असर अमेरिका में नवाचार के माहौल और रोजगार आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

दुनिया के अन्य देशों की नीतियों से तुलना की जाए तो कनाडा प्रवासी पेशेवरों और छात्रों को आकर्षित करने के लिए वीज़ा और स्थायी निवास की नीतियों को सरल बना रहा है। जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया तकनीकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए रेड कार्पेट बिछा रहे हैं, जबकि अमेरिका उल्टा रास्ता चुन रहा है जो दीर्घकाल में उसे वैश्विक प्रतिभा की कमी की ओर धकेल सकता है। भारत के लिए यह अवसर है कि वह प्रतिभाओं के पलायन को रोकने के लिए अपनी नीतियों और बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाए। शिक्षा, शोध और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर भारत अमेरिका के विकल्प के रूप में उभर सकता है। अमेरिका के लिए यह कदम उसके उस आदर्श को धूमिल करेगा जिसके अनुसार वह इमिग्रेशन की भूमि कहलाता है और उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता को कमजोर करेगा। रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियाँ यहां सार्थक लगती हैं-'स्वतंत्रता वह है, जहां ज्ञान निर्भय होता है और दुनिया सीमाओं से विभाजित नहीं होती।' अमेरिका की यह दीवार प्रतिभा की उड़ान को थाम नहीं पाएगी। भारतीय युवाओं को अब अपने ही देश को अवसरों की भूमि में बदलना होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सच्ची क्रांति तभी होगी

(जे कृष्णमूर्ति)

अभी हम जो कुछ भी कर रहे हैं, ऐसा लगता है कि उससे हम अशांति की ओर, क्लेश और दुख की ओर ही बढ़ रहे हैं। अपने जीवन को देखिए, आप पाएंगे कि हमारा जीवन सदा दुख के कगार पर है। युद्ध को रोकने के हमारे सभी प्रयत्न, हमारी सामाजिक गतिविधियां, हमारी राजनीति, राष्ट्रों के सम्मेलन, मूलतः संघर्ष ही अधिक पैदा करते हैं। जीवन के पीछे-पीछे विनाश चल रहा है। क्या इस क्लेश को हम तुरंत समाप्त कर सकते हैं? क्या उलझन और दुख की जकड़न से मुक्ति पा सकते हैं? बुद्ध या ईसा जैसे महान व्यक्ति आए, उन्होंने किसी आस्था को स्वीकार किया और संभवतः अपने को दुख से मुक्त कर लिया। परंतु वे कभी दुख का निवारण नहीं कर पाए, कभी भ्रांति को समाप्त न कर सके। अतः हमारी समस्या, आपकी समस्या यह है कि क्या इस क्लेश से हम तत्क्षण बाहर निकल सकते हैं?

यदि इस विश्व में रहकर भी आप उसका अंग बनना अस्वीकार कर दें, तो आप इस अशांति से निकलने में औरों की सहायता करेंगे- भविष्य में नहीं, कल नहीं, बल्कि अभी,

यदि इस विश्व में रहकर भी आप उसका अंग बनना अस्वीकार कर दें, तो आप इस अशांति से निकलने में औरों की सहायता करेंगे- भविष्य में नहीं, कल नहीं, बल्कि अभी, इसी क्षण। निस्संदेह, यही हमारी समस्या है। युद्ध आता दिखता है, जिसका रूप कहीं अधिक विनाशकारी, अधिक भयावह होगा। निस्संदेह, हम उसे रोक नहीं सकते, क्योंकि झगड़े कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। परंतु हम तुरंत उस भ्रांति और क्लेश को देख-समझ सकते हैं।

इसी क्षण। निस्संदेह, यही हमारी समस्या है। युद्ध आता दिखता है, जिसका रूप कहीं अधिक विनाशकारी, अधिक भयावह होगा। निस्संदेह, हम उसे रोक नहीं सकते, क्योंकि झगड़े कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। परंतु हम तुरंत उस भ्रांति और क्लेश को देख-समझ सकते हैं। हमें उनको महसूस करना होगा, और तब हम उस स्थिति में होंगे कि दूसरों में भी सत्य के उस बोध को जगा सकें। इस क्लेश से निकलने का यही एक मार्ग है। प्रत्यक्ष बोध केवल वर्तमान में हो सकता है; परंतु यदि आप कहें कि मैं इसे कल करूंगा, तो भ्रांति की लहरें आप पर अधिकार जमा लेंगी और आपको सदा के लिए भ्रांति की गिरफ्त में रहना होगा।

क्या उस अवस्था का घटित होना संभव है, जब आप सत्य का स्वयं, प्रत्यक्ष बोध कर लें और भ्रांति का पूरी तरह से अंत कर दें? मेरा मानना है कि यह किया जा सकता है, पर किसी विश्वास या मान्यता के आधार पर नहीं। इस असाधारण क्रांति को लाना, जिसका अर्थ पूंजीपतियों से पीछा छुड़ाकर दूसरे वर्ग को स्थापित करना नहीं है, इस अद्भुत आमूल परिवर्तन को लाना है, जो एक सच्ची क्रांति है, यही एक चुनौती है।

जिसे प्रायः क्रांति कहा जाता है, यह दक्षिणपंथी विचारों का ही वामपंथी विचारों के अनुसार संशोधन या सातत्य है। वामपंथी विचार का तात्पर्य दक्षिणपंथी विचारों को ही संशोधित रूप में बनाए रखना है। यदि दक्षिणपंथी विचार ऐंद्रिक मूल्यों पर आधारित है, तो वामपंथी विचार भी ऐंद्रिक मूल्य ही है, अंतर मात्रा या अभिव्यक्ति का है। अतः सच्ची क्रांति तभी हो सकती है, जब आप दूसरों के साथ अपने संबंधों को लेकर सचेत हों।

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है।

मार्निंग कंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षीय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मार्निंग कंसल्ट के इस सर्वे में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नई झुकने की जीद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोई दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दुर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है।

आज मोदी के भारत को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

जहां तक देश और देश में मोदी विरोधियों की बात है तो यह भी अब तक साफ हो गया है कि मोदी के विरोध में जो जो नारे गढ़े गए या अभियानों में जो मोदी विरोध की आवाज बने वह सब विरोधियों पर ही भारी पड़े है। इसकी शुरुआत 2007 में गोदरा कांड के बाद चुनाव के बाद का नारा मौत का सौदागर हो या आज चौकीदार चोर है सभी नारे उल्टे पड़े हैं और देशवासियों ने इन्हें सिरे से नकारा है। चौकीदार चोर है का उत्तर देते हुए स्वयं मोदी ने इसका उपयोग मैं भी चौकीदार का जबावी नारा देकर उत्तर दिया। नारों की यह एक लंबी फेहरिस्त है जिससे देशवासी अवगत है। अब आज वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा लगाकर या संविधान बचाओं का नारा देकर मोदी विरोध में हवा बनाने व बिहार आदि के चुनाव जीतने का सपना पाल रहे हैं पर कहीं पहले की तरह सेल्फ गोल ही साबित ना हो जाये इससे नकारा नहीं जा सकता। राममंदिर, कश्मीर में धारा 370 हटाने, कश्मीर युवाओं को मुख्यधारा में लाने, ऑपरेशन सिन्दुर, एयर स्ट्राइक, जनधन खाते, डिजिटल भुगतान, जन औषधी केन्द्र, आयुष्मान योजना, गिग इकोनोमी, रक्षा आयुधों का देश में ही उत्पादन व निर्यात, एमएसएमई सेक्टर, स्टार्टअप, यूनिकोर्न, विदेशी निवेश, सडक परिवहन विकास, आदि आदि सभी क्षेत्रों में विकास का जो दौर दिखाई दे रहा है यह ठोस और त्वरित योजनावद्ध निर्णयों का ही परिणाम है। यह तो केवल बानगी मात्र है। आज आतंकवादी गतिविधियां लगभग समाप्त हो गई, नक्सलवादी गतिविधियां दिखाई नहीं दे रही हैं, सांप्रदायिकता पर रोक लगी है, पत्थरबाजी नहीं दिखती, सपाट यातायात दिखाई दे रहा है यह और इसके अलावा भी बहुत कुछ सामने हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि विश्वसनीयता एक दिन में या एक काम से नहीं बनती। इसके साथ ही केवल व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने से भी कोई खास हासिल नहीं हो सकता। अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहने की आदत डाले तो शायद आमजनता में अधिक प्रभावी तरीके से अपनी बात रख कर लोगों को अपने पक्ष में किया जा सकता है। जब राष्ट्रीय अस्मिता पर और सेना के पराक्रम को प्रश्नों में उभारा जाता है तो लाख कमियों के बावजूद सच्चा राष्ट्रप्रेमी नागरिक इसे स्वीकार नहीं पाता। यही कारण है कि मोदी जी को जितना निशाना बनाया जाता है मोदी उस निशाने से और अधिक निखार के साथ उभरते आ रहे हैं। आज जब ट्रंप भारत की अर्थ व्यवस्था को नकारते हैं तो यह देशवासियों के गले उतरने वाली बात नहीं होती। इसी तरह से जब ऑपरेशन सिन्दुर पर प्रश्न चिन्ह उठाया जाता है तो आमजन इसे देश के खिलाफ आवाज और सेना के असम्मान के रुप में देखता है। जब संविधान की प्रति उठाकर संविधान बचाओ की बात करते हैं तो उनकी सरकार के समय ही संसद से पास अधिसूचना को सार्वजनिक रुप से फाड़ने को याद करते हैं। जीएसटी को लेकर प्रश्न उठाते हैं तो आज इससे मिल रही राहत को जनता कैसे नकार सकती है। इसलिए सकारात्मक विरोध के साथ आगे आकर ही मोदी और मोदी की नीतियों का पार पा सकते हैं।

संसद और विधानसभाओं में गतिरोध का दौर चलता है, खुली चर्चाएं हो नहीं पाती, सत्र सालों साल छोटे होते जा रहे हैं। आधी आधी रात तक होने वाली चर्चाएं अब बीते दिनों की बात हो गई है तो ऐसे में केवल आरोप प्रत्यारोप के भरोसे मोदी पर जीत की बात करना बेमानी होगा। दूसरी बात यह कि हम बड़ी लकीर खींच कर ही दूसरी लकीर को छोटी बता सकते हैं हो इसका उल्टा रहा है और प्रयास लकीर से ही छेड़ छोड़ कर छोटी दिखाने के प्रयास किये जाते हैं तो यह गले नहीं उतरती। यह सब समझने वाली बात हो गई है। मोदी जी की अमृत वेला में शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी और देख रहा है। ऐसे में मोदी जी के नेतृत्व और निवृति की बात करना पूरी तरह से बेमानी होगी। देश को अभी मोदी जी और उनके जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है जिससे आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत बन कर उभर सके। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कैलाश विजयवर्गीय के पोस्टर पर जीभ लगाकर गंगाजल से धोया:राहुल-प्रियंका पर विवादित बयान देकर घिरे मंत्री, भोपाल में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

भोपाल। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को लेकर दिए गए विवादित बयान के विरोध में शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। भोपाल में पार्टी कार्यकताओं ने विजयवर्गीय के घर का घेराव किया, इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर कांग्रेसियों को रोका, लेकिन कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। उन्होंने विजयवर्गीय के पोस्टर पर बनी जीभ पर गंगाजल छिड़क कर 'शुद्धिकरण' किया। कांग्रेस का कहना है कि मंत्री का बयान महिलाओं और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का अपमान है।

'भाजपा की गाली देना आदत बन गई है'- भोपाल नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा, 'गाली देना भाजपा नेताओं की आदत बन गई है। यह लोग न केवल व्यवहार से, बल्कि शब्दों से भी अशालीन हैं। भाई-बहन जैसे पवित्र रिश्ते पर इस तरह की टिप्पणी करना क्या कैलाश विजयवर्गीय को शोभा देता है? क्या उनके घर में बहन-बेटियां नहीं हैं? यही उनके संस्कार हैं जो इस प्रकार की बातें करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह बयान महिलाओं के साथ-साथ पूरे समाज का अपमान है। मंत्री को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने प्रवीण सक्सेना कहा कि कैलाश विजयवर्गीय ने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते पर अनर्गल बातें की है। यह भाजपा के संस्कार और संस्कृति को उजागर करता है। कैलाश विजयवर्गीय की जीभ का हमने आज गंगाजल से शुद्धिकरण किया है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी जो मानसिक स्थिति बिगड़ी हुई है, वह ठीक हो जाए। प्रदेश कांग्रेस ने पीसी कर कैलाश विजयवर्गीय को बयान को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ महिलाओं का अपमान नहीं, बल्कि बहन-भाई के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाला घोर पाप है।

PWD बाबू 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ाया: सेवानिवृत्ति भुगतान रोककर मांगी 10 हजार की रिश्वत

भोपाल। लोकायुक्त टीम ने लोक निर्माण विभाग (PWD) के सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी कमलेश मालवीय को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी सेवानिवृत्त कर्मचारी से स्वत्वों और उपादानों के भुगतान के एवज में 10 हजार रुपए की मांग कर रहा था।

सेवानिवृत्ति पर रोका भुगतान- जानकारी के अनुसार फरियादी दुर्गाप्रसाद विश्वकर्मा 31 अगस्त 2025 को लोक निर्माण विभाग, उप संभाग-2 से वेल्डर पद से सेवानिवृत्त हुआ था। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले स्वत्वों और अन्य भुगतानों की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए विभागीय बाबू कमलेश मालवीय ने 10 हजार रुपए रिश्वत मांगी। पहली किश्त के तौर पर 5 हजार रुपए तय किए गए थे।

मंदिर तिराहे पर रंगे हाथ पकड़ा- फरियादी ने मामले की शिकायत लोकायुक्त पुलिस से की। सत्यापन के बाद शुक्रवार की शाम लोकायुक्त की टीम ने झरनेश्वर मंदिर तिराहा, 12 दफ्तर के पास आरोपी को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। मौके से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में FIR- लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी कमलेश मालवीय के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधन 2018) की धारा-7 के तहत मामला दर्ज किया है। टीम आगे की पूछताछ और कार्रवाई में जुटी है।

भोपाल में सिपाही ने फांसी लगाकर सुसाइड किया, रात में बच्चों को पढ़ाई को लेकर डांटा तो पत्नी नाराज हुई

भोपाल। के बंगरसिया के सीआरपीएफ कैम्प में रहने वाले एक सिपाही ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उनका शव शुक्रवार तड़के पत्नी ने फंदे पर लटका देखा। गुरुवार की रात को पढ़ाई को लेकर उन्होंने बच्चों को फटकार लगाई थी। इस बात से उनकी पत्नी भी उनसे नाराज हो गई थी। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई अमोल शर्मा ने बताया कि मूलतः गुणगांव हरियाणा निवासी महेश कुमार पुत्र बाबूलाल(43) सीआरपीएफ में आरक्षक(बिगुलर) थे और इन दिनों जालंधर में पदस्थ थे। बंगरसिया स्थित सीआरपीएफ कैम्प में अपनी पत्नी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। इन दिनों वह अपने परिवार के पास आए हुए थे। गुरुवार की रात उन्होंने शराब के नशे में 12वीं में पढ़ने वाले बेटे और कक्षा सातवीं में पढ़ाई करने वाले बेटी को पढ़ाई-लिखाई को लेकर जमकर डांट लगाई।

आज बच्चों का एग्जाम था- डांटने की बात को लेकर पत्नी ने आपत्ति जताते हुए विरोध किया, क्योंकि अगली सुबह शुक्रवार को बच्चों को पेपर था। इसके साथ ही पत्नी ने अपनी सास को कॉल कर पति द्वारा बच्चों की पिटाई की शिकायत की थी। इस पर मां ने भी कॉल पर महेश से नाराजगी जताई थी। रात करीब साढ़े दस बजे आरक्षक महेश अपने कमरे में चले गए। तड़के सुबह उठी पत्नी ने फंदे पर उनके शव को लटका देखा। शुक्रवार की दोपहर को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है।

शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से बढ़ रहे हैं आगे

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट - 2025 का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। नागरिकों का जीवन और अधिक सरल, सहज और सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं नागरिकों और समाज को न केवल मजबूत करती है बल्कि उन्हें जिम्मेदार भी बनाती हैं। इसी दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों का विकास उनकी तासीर और विशिष्ट पहचान के अनुरूप किया जा रहा है। शहरों के विकास में हम वहां की पुरा-धरोहरों और विरासतों का भी ध्यान रख रहे हैं। ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में हम योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। अर्बन डेवलपमेंट के लिए कार्बन उत्सर्जन पर पूर्ण रोक लगाना एक बिग टास्क है। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए नागरिकों को स्वच्छ परिवेश देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे।

मेट्रो ट्रेन के साथ फ्लाई ओवर ब्रिज- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़े शहरों में मेट्रोपोलिटन सिटी रीजन की परिकल्पना के साथ सभी प्रमुख नगरों में मेट्रो ट्रेन सेवा और बड़े फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सरल और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट सिटीज का निर्माण कर लोगों की नई पीढ़ी की जरूरतें पूरी की जा रही हैं। इन सभी प्रयासों से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास की नई धारा बहेगी और नागरिकों का जीवन और अधिक सुखद एवं सुरक्षित बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो रहा है। हमारा इंदौर लगातार 8 वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर है, हमारे अन्य प्रमुख शहर जैसे भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर भी डिजिटल सु-शासन, गतिशीलता और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देते हुए उत्कृष्ट शहरों के रूप में उभरे हैं। प्रदेश में अफॉर्डेबल हॉउसिंग के अंतर्गत 8.56 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जिनमें से लगभग 7.75 लाख (82 प्रतिशत) आवास परिवार की महिलाओं या संयुक्त नाम से हैं। हमने लगभग 10 लाख नये घरों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है, जिस पर 50 हजार करोड़ का निवेश होना संभावित है। अमृत योजना 2.0 में सभी नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। योजना के अंतर्गत जल आपूर्ति में 5869 करोड़ रुपये की 297 परियोजनाओं में से 3450 करोड़ रुपए की 224 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। सीवरेज की 4932 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं में से 1312 करोड़ रुपये की 04 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो गया है, इससे प्रदेश की लगभग 60 प्रतिशत शहरी आबादी लाभान्वित होगी। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों के संभावित विस्तार के दृष्टिगत हमारी सरकार द्वारा 'मध्यप्रदेश मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम, 2025' को मंत्रि-परिषद से स्वीकृति भी मिल गई है।

भोपाल में 1 अक्टूबर को हो सकता है लोकल हॉली-डे:कलेक्टर ने सरकार को भेजा प्रस्ताव; 30 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को फायदा

- भोपाल। में 1 अक्टूबर को लोकल हॉली-डे हो सकता है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने प्रस्ताव सरकार को भेजा है।
- यदि प्रस्ताव मंजूर होता है तो 30 हजार से अधिक सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को फायदा मिलेगा।

भोपाल। में 1 अक्टूबर को लोकल हॉली-डे हो सकता है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने प्रस्ताव सरकार को भेजा है। यदि प्रस्ताव मंजूर होता है तो 30 हजार से अधिक सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। दरअसल, 27 अगस्त को भोपाल के लिए स्थानीय अवकाश प्रस्तावित था। इस दिन गणेश चतुर्थी के चलते छुट्?टी घोषित की गई थी, लेकिन सरकार ने पूरे प्रदेश में स्थानीय अवकाश घोषित कर दिया था। ऐसे में भोपाल का एक लोकल हॉली-डे बच गया।

भोपाल में सालभर में 4 अवकाश- भोपाल में सालभर में कुल 4 लोकल हॉली-डे रहते हैं। इस साल मकर संक्रांति पर 14 जनवरी, रंगपंचमी पर 19 मार्च, गणेश चतुर्थी पर 27 अगस्त और भोपाल गैस त्रासदी बरसी दिवस पर (केवल भोपाल शहर के लिए) 3 दिसंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किए गए थे। सामान्य प्रशासन विभाग को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार, 27 अगस्त के स्थान पर महानवमीं 1 अक्टूबर, बुधवार को स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने की बात कही गई है।

केंद्रीय कर्मचारियों को नहीं मिलेगा फायदा

यदि अवकाश मंजूर होता है तो 1 अक्टूबर को सभी सरकारी ऑफिस बंद रहेंगे और कोई कामकाज नहीं होगा। इस दिन प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री भी नहीं हो सकेंगी। परी बाजार और आईएसबीटी स्थित रजिस्ट्रार ऑफिस भी बंद रहेंगे। हालांकि, केंद्रीय दफ्तर खुले रहेंगे और अधिकारी-कर्मचारियों को फायदा नहीं मिलेगा। सिर्फ राज्य सरकार के अधिकारी-कर्मचारी ही फायदा ले पाएंगे।

हमें हमारी पराक्रमी सेना पर गर्व है - मुख्यमंत्री डॉ. यादव, मुख्यमंत्री ने रेजांग-ला पवित्र रज कलश का किया पूजन

रेजांग-ला युद्ध के वीर योद्धाओं को दी गई श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यदुनंदन जिधर होते हैं, जीत भी उधर ही होती है। धर्म की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों का सारथी बनना स्वीकार किया। उन्होंने धर्म स्थापना के लिए अपना सर्वस्व दे दिया। हमारे सैनिकों ने रेजांग-ला युद्ध में जीत हासिल कर दुश्मनों से देश की रक्षा की। हमारे सैनिकों का शौर्य भारी पड़ा हमें हमारी पराक्रमी सेना पर बेहद गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेजांग-ला युद्ध में अपने प्राणों को बलिदान कर चीनी सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब देने वाले अमर शहीदों को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अटल पथ पर रेजांग-ला युद्ध में अमर बलिदानियों के श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रह थे। उन्होंने रेजांग-ला पवित्र रज कलश का पूजन किया और यात्रा के आयोजकों को सरकार की ओर से शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर ऐसे पुनीत कार्य में सहयोगी है, जिससे आमजनों में देश प्रेम की भावना का संचार हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा 5 हजार साल पुराना गौरवशाली अतीत रहा है। उन्होंने कहा कि परमवीर चक्र से सम्मानित श्री योगेंद्र सिंह यादव ने मात्र 19 साल की उम्र में दर्जनों गोलियां लगने के बाद भी टाइगर हिल्स की लड़ाई में पाकिस्तानी घुसपैठियों के छक्के छुड़ाए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यादव समाज के पराक्रम और शौर्य पर अगर कोई फिल्म बनाई जा रही है, तो राज्य सरकार फिल्म निमार्ता को सब्सिडी देकर उसे प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एवरेस्ट फतह करने वाले पर्वतारोही श्री संतोष यादव और महिला लोको पायलट सुश्री सुलेखा यादव जैसी अनेक हस्तियों ने भी यादव समाज का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के नायक परमवीर चक्र विजेता श्री योगेंद्र सिंह यादव ने कहा कि हमारे लिए यह यात्रा गौरव का विषय है। इस कलश यात्रा का उद्देश्य भारतीय समाज को एकजुट करना और युवाओं में शहीदों के शौर्य के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है। यह समाज को ऊपर उठाने की यात्रा है। मुझे गर्व है कि भारत माता की सेवा का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यादव समाज ने अनेक वीर सैनिक दिए, जिन्होंने मां भारती की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। हम उनकी संतानें हैं, जिन्होंने कभी झुकना नहीं सीखा। यादव कुल राष्ट्र पर मर मिटने के लिए सदैव तत्पर रहता है। उल्लेखनीय है कि रेजांग-ला के युद्ध में भारतीय सेना के 120 सैनिकों ने लगभग 3 हजार चीनी सैनिकों को मार गिराया था।

प्रियंका नगर, शाहपुरा-बसंतकुंज में कल बिजली कटौती:भोपाल के 40 इलाकों में असर; अनंतपुरा-कोकता में भी सप्लाई नहीं

भोपाल। भोपाल के करीब 40 इलाकों में शनिवार को 30 मिनट से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जिन इलाकों में बिजली बंद रहेगी, उनमें प्रियंका नगर, पुलिस हाउसिंग सोसायटी, कोकता, ट्रांसपोर्ट नगर, अनंतपुरा, शाहपुरा, अशोका सोसायटी, बसंतकुंज, अमलतास, न्यू राजीव नगर, आदमपुर समेत कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में बिजली संबंधित जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े।

इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 10 से 10.30 बजे तक और दोपहर 12 से 12.30 बजे तक प्रियंका नगर, पुलिस हाउसिंग सोसायटी, राजवैध एच सेक्टर, मधुवन सिटी एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक मनीषा मार्केट, शाहपुरा ए सेक्टर, ई-7 अशोका सोसायटी, लाला लाजपतराय कॉलोनी, विवेक अपॉर्टमेंट, अमलतास, बसंतकुंज एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक जाटखेड़ी, महेंद्रा ग्रीन वुड, पारस विला, स्ट्रेलिंग ग्लोबल ग्रांड, सागर पर्ल, इडन पार्क, गोल्डन वैली विलोस, हरिपुरम कॉलोनी, वेस्टर्न कोर्टियाड कॉलोनी, दानिशकुंज-1 और 2, फाइन कैम्पस, हरेकृष्णा होम्स एवं आसपास।

अब मेट्रो स्टेशन देखने फिर भोपाल आएगी CMRS :दोनों टीम की रिपोर्ट एकसाथ आएगी; 'ओके' मिलते ही कमर्शियल रन की तारीख तय होगी

भोपाल। में मेट्रो के कमर्शियल रन के लिए अहम कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) की टीम ने गुरुवार को ट्रेन और डिपो से जुड़े काम देखे। अब दूसरी टीम मेट्रो स्टेशन देखेगी। यह टीम भी 10 दिन के अंदर भोपाल आ सकती है। दोनों टीमों की कॉमन रिपोर्ट एकसाथ आएगी। 'ओके' होते ही मेट्रो के कमर्शियन रन की तारीख तय हो जाएगी। बता दें कि गुरुवार को मेट्रो कमिश्नर जनक कुमार गर्ग ने टीम के साथ सुभाषनगर स्थित मेट्रो डिपो और प्रॉयोरिटी कॉरिडोर के 6.22 किलोमीटर रूट को देखा था। वे ट्रेन में सवार हुए। सुभाषनगर और एम्स स्टेशन पर करीब दो घंटे तक निरीक्षण किया। इसके बाद टीम लौट गई। अब मेट्रो स्टेशन देखने के लिए सीएमआरएस फिर भोपाल आएगी।

स्टेशन पर यह देखेगी टीम- सीएमआरएस की दूसरी टीम मेट्रो के सभी 8 स्टेशन- सुभाषनगर, केंद्रीय स्कूल, डीबी मॉल, एमपी नगर, आरकेएमपी, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स पहुंचेंगी। स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट की व्यवस्था क्या है। यात्रियों की सहुलियत के लिए क्या-क्या सुविधाएं हैं आदि को लेकर टीम अपनी रिपोर्ट देगी।

पहली टीम ने ट्रेन-डिपो देखा- पहली टीम ने ट्रेन और डिपो देख है। मेट्रो ट्रेन के कोच में क्या-क्या सुविधाएं हैं? यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संसाधन है या नहीं? सीसीटीवी कैमरे, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, वातानुकूलित कोच, चार्जिंग पॉइंट और वास्तविक समय यात्री सूचना प्रणाली आदि भी देखा। वहीं, डिपो में ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (OCC) कैसा है। बिजली की पर्याप्त व्यवस्था है या नहीं? अनुरक्षण-बे, स्टेबलिंग लाइन, रिपेयर-बे आदि के साथ फायर सेफ्टी के क्या इंतजाम है? इसके बारे में भी जाना।

अक्टूबर में कमर्शियल रन प्रस्तावित- बता दें कि अक्टूबर में मेट्रो का कमर्शियल रन प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे। वहीं, वे भोपाल मेट्रो के पहले यात्री भी बन सकते हैं। 31 मई को इंदौर मेट्रो को भोपाल से हरी झंडी दिखाई थी। इसके बाद से भोपाल मेट्रो को लेकर तेजी से काम शुरू हो गया। मेट्रो के जिन 3 स्टेशन के काम बचे हैं, उन पर फोकस किया जा रहा है।

आरडीएसओ से मिल चुकी ओके रिपोर्ट- भोपाल मेट्रो के लिए सबसे पहलते रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) की टीम आ चुकी है। इस टीम की रिपोर्ट ओके आई। इसके निरीक्षण के बाद सीएमआरएस को डॉक्युमेंट्स सबमिट किए गए। फिर निरीक्षण की तारीख फाइनल हुई। हालांकि, टीम का दो ही बजाय एक दिनी दौरा रहा।

साल 2018 से शुरू हुआ था मेट्रो का काम- भोपाल में पहला मेट्रो रूट एम्स से करोंद तक 16.05 किलोमीटर लंबा है। इसमें से एम्स से सुभाष नगर के बीच 6.22 किलोमीटर पर प्राथमिकता कॉरिडोर के तौर पर 2018 में काम शुरू किया गया था। सुभाष नगर से आरकेएमपी स्टेशन तक काम पूरा हो चुका है। इसके आगे अलकापुरी, एम्स और डीआरएम मेट्रो स्टेशन के कुछ काम बाकी है, जो पूरे किए जा रहे हैं।

दो साल पहले हुआ था पहला ट्रायल

राजधानी में पहली बार मेट्रो 3 अक्टूबर 2023 को पटरी पर दौड़ी थी। तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया था।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की एयरलाइंस को 5 साल बाद मिली ब्रिटेन की सीधी उड़ान की अनुमति

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने पांच साल बाद पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को देश में सीधी वाणिज्यिक उड़ान संचालित करने की अनुमति दे दी है। पीआईए अब अगले महीने से मैनचेस्टर के लिए यात्री और मालवाहक उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि जल्द ही बर्मिंघम और लंदन के लिए भी इन सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ ने 2020 में सुरक्षा चिंताओं के चलते अपने क्षेत्र में पीआईए के संचालन को निलंबित कर दिया था।

नावों पर हमले के लिए ट्रंप के खिलाफ चले केस: कोलंबिया

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने इस महीने कैरिबियन सागर में नावों पर हुए घातक हमलों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग की। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये नाव ड्रग्स ले जा रही थीं। पेट्रो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में अपने भाषण में इन तीनों हमलों की निंदा की और ट्रंप पर गरीबी और प्रवासन को अपराध बनाने का भी आरोप लगाया।

मलावी में पूर्व राष्ट्रपति मुथारिका ने प्रतिद्वंद्वी चकवेरा को दी मात, चुनाव जीता

लिलोंग्वे, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश मलावी के पूर्व राष्ट्रपति पीटर मुथारिका ने चुनाव जीतकर मौजूदा राष्ट्रपति लाजरस चक्केरा को पराजित कर सत्ता में वापसी की है। 85 वर्षीय मुथारिका ने 56 प्रतिशत वोट हासिल किए जबकि चक्केरा को 33 प्रतिशत वोट मिले। चक्केरा ने टीवी पर भाषण देकर हार स्वीकार की। मुथारिका 2014-2020 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं, लेकिन 2020 में ऐतिहासिक पुनर्निर्वाचन में हार गए थे। चक्केरा की लोकप्रियता महंगाई, ईंधन व खाद्य संकट और आर्थिक संकट के कारण घटी। मुथारिका ने अर्थव्यवस्था सुधारने का वादा किया है, हालांकि उनके पिछले कार्यकाल में भ्रष्टाचार और संकटों को लेकर आलोचना हुई थी।

यूएन में बोला चीन- कार्बन उत्सर्जन में कटौती करेंगे; नए जलवायु लक्ष्य की घोषणा की

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2035 तक उत्सर्जन में 7-10 प्रतिशत कटौती का एलान किया है। चीन विश्व का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 31 प्रतिशत से अधिक करता है। शी ने पवन व सौर ऊर्जा को छह गुना बढ़ाने, प्रदूषण-मुक्त वाहनों को मुख्यधारा बनाने और जलवायु अनुकूल समाज बनाने का वादा किया। यूरोपीय आयोग प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप के उत्सर्जन 1940 से 40 घटे हैं और नवंबर की वार्ता से पहले नई योजना प्रस्तुत होगी। शी और ब्राज़ील ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की आलोचना भी की।

निजी विमान वेनेजुएला में टेकऑफ के समय दुर्घटनाग्रस्त

काराकस, एजेंसी। वेनेजुएला की राजधानी काराकस के सिमोन बोलिवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय एक निजी लियरजेट-55 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वेनेजुएला की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संस्थाने बताया कि विमान में मौजूद दो यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया और उन्हें चिकित्सकीय देखभाल के बाद स्थिर बताया गया। यह स्पष्ट नहीं हुआ कि विमान में अन्य लोग सवार थे या नहीं। सोशल मीडिया पर साझा वीडियो में हवाई अड्डे के रनवे से धुआं उठता दिखा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के अनुसार, यह विमान पिछले महीने वेनेजुएला, पनामा और क्यूबा में उड़ान भर चुका था।

अमेरिकी सीक्रेट सर्विस भी शामिल होगी

ट्रम्प बोले- मैं यूएन में तीन साजिशों का शिकार हुआ, संयुक्त राष्ट्र से जांच मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में उनके साथ तीन संदिग्ध घटनाएं घटनाएं हुईं, जिनका वह शिकार बने। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की जांच अब सीक्रेट सर्विस करेगी। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने इस संस्था की निंदा की। ट्रंप ने कहा कि यह अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाई है। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी यूरोपीय देशों की रूस-यूक्रेन युद्ध में भूमिका और प्रवासियों को स्वीकार करने के तरीके की भी आलोनचा। उन्होंने अन्य विश्व नेताओं से कहा कि उनके देश पतन की ओर जा रहे हैं।

जिन लोगों ने यह किया, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए

अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रंप ने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र में तीन अशुभ घटनाओं के कारण उनका मूड बहुत खराब था। उन्होंने इसे अपने खिलाफ साजिश का हिस्सा बताया। पहली घटना में जब ट्रंप और उनके साथी एस्केलेटर (चलती हुई सीढ़ी) पर थे, तो यह अचानक रुक गई। ट्रंप ने इसे एक साजिश करार दिया। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के एक वीडियोग्राफर ने गलती से एस्केलेटर के ऊपर स्थित स्टॉप मैकेनिज्म को सक्रिय कर दिया होगा। ट्रंप ने कहा, जिन लोगों ने यह किया उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

फुटेज संभालकर रखे यूएन, जांच करेगी सीक्रेट सर्विस: ट्रंप

दूसरी घटना में ट्रंप जब संयुक्त राष्ट्र में भाषण दे रहे थे, तो टेलीप्रॉम्प्टर अचानक बंद हो गया। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इस दावे में विरोधाभास यह है कि टेलीप्रॉम्प्टर का संचान खुद व्हाइट हाउस करता है, न कि संयुक्त राष्ट्र। ट्रंप ने दावा किया तीसरी घटना में जब वह भाषण दे रहे थे, तो उनका माइक ठीक से काम नहीं कर रहा था। उनकी बात उन्हें लोगों तक पहुंच रही थी, जिनके पास कान में लगाने वाले अनुवादक उपकरण मौजूद थे। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी मेलानिया ने भी उन्हें बताया कि वह उनका भाषण ठीक से सुन नहीं सकीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह कोई संयोग नहीं था। यह तीसरी साजिश थी। उन्होंने इस मामले की जांच कराने की बात कही। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र से कहा कि एस्केलेटर के रुकने की फुटेज को संभालकर रखें, क्योंकि सीक्रेट सर्विस इस जांच में शामिल होगी।

संयुक्त राष्ट्र में एस्केलेटर के बंद होने की घटना आम बात है। कर्मचारियों और आगंतुकों को यह अच्छी तरह से मालूम है। हाल के महीनों में न्यूयॉर्क और जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालयों ने पैसे की कमी के कारण लिफ्ट और एस्केलेटर को बंद करने जैसे कदम भी उठाए हैं। यह समस्या अमेरिका से आंशिक रू से फंडिंग में देरी की वजह से है, जो संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा दाता है।

ट्रम्प के साथ यूएन में 3 गड़बड़ियां: पहली घटना: मुख्य फ्लोर तक जाने वाला एस्केलेटर अचानक रुक गया। ट्रम्प ने कहा कि यदि वे और मेलानिया हैंडल पकड़े नहीं रहते, तो हादसा हो सकता था। उन्होंने इसे साजिश बताया और जिम्मेदारों की गिरफ्तारी की मांग की।

दूसरी घटना: 80वें यूएनजीए सत्र में भाषण शुरू करते समय टेलीप्रॉम्प्टर काम नहीं कर रहा था। ट्रम्प ने कहा, एस्केलेटर के बाद अब टेलीप्रॉम्प्टर भी खराब। यह क्या जगह है? इसके बावजूद उन्होंने बिना टेलीप्रॉम्प्टर के 57 मिनट का भाषण दिया।

तीसरी घटना: भाषण के बाद सभा हॉल में साउंड सिस्टम बंद था, जिससे दुनिया के अन्य नेताओं को ट्रम्प की बात सुनने के लिए ट्रांसलेटर के ईयरपीस का सहारा लेना पड़ा। ट्रम्प ने बताया कि भाषण के बाद मेलानिया ने कहा, मैंने एक शब्द भी नहीं सुना।

पबजी के चक्कर में मां समेत चार की कर दी थी हत्या, हुई 100 साल की जेल

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने एक किशोर को ऑनलाइन पबजी गेम खेलने के मुद्दे पर गुस्से में अपनी मां, एक भाई और दो बहनों की हत्या करने के जुर्म में बुधवार को 100 साल के करावास की सजा सुनाई। यह घटना वर्ष 2022 में हुई थी। अदालत के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लाहौर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रियाज अहमद ने 17 वर्षीय ज़ैन अली को चार मामलों में 100 साल के करावास की सजा सुनाई और उसके अपराध के लिए 40 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर फैसला सुनाया। अधिकारी ने बताया कि अपने फैसले में न्यायाधीश ने कहा कि ज़ैन की उम्र के कारण उसे मृत्युदंड के बजाय चार मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई जाती है। उसे प्रत्येक अपराध के लिए 25-25 वर्ष की सजा काटनी होगी। लाहौर के घनी आबादी वाले क़ाहना क्षेत्र के निवासी ज़ैन अली (उस समय 14 वर्ष) बहुत ज्यादा 'पबजी' खेलता था। वह अपना अधिकतर समय अपने कमरे में ऑनलाइन गेम खेलते हुए बिताता था और अक्सर उसकी मां नाहिद मुबारक उसे समय बर्बाद करने के लिए डांट लगाती थीं। खेल में दिए गए लक्ष्य हासिल न कर पाने पर वह अक्सर आक्रामक हो जाता था। पुलिस ने अदालत को बताया, ''वर्ष 2022 में घटना वाले दिन जैन अली कई घंटे गेम खेलते हुए निशाना चूकने के बाद अपना होश खो बैठा और उसे अपनी मां से डांट भी खानी पड़ी थी।'' पुलिस ने बताया कि किशोर ने अपनी मां की पिस्तौल ले ली और उस कमरे में गया, जहां वह अपनी दो बेटियों के साथ सो रही थी। उसने गेम के प्रभाव में अपनी 45 वर्षीय मां, 20 वर्षीय बड़े भाई तैमूर, 15 वर्षीय बहन महनूर और 10 वर्षीय बहन जन्नत को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

यूएनजीए के दौरान मिले अमेरिका और रूस के विदेश मंत्री, जेलेंस्की ने पुतिन पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच अहम बैठक हुई। यह मुलाकात महासभा के इतर हुई, जिसकी पुष्टि रूस के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को की। इस बीच, महासभा के दूसरे दिन दुनिया के कई प्रमुख नेताओं ने सभा को संबोधित किया, जिनमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, ईरान के मसूद पेजेश्कियान, अर्जेंटीना के जेवियर माईली और सीरिया के अंतरिम नेता अहमद अल-शरा शामिल रहे। खास बात यह रही कि 60 से पहले बार ऐसा हुआ कि सीरिया के किसी नेता ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच पर भाषण दिया हो।

जेलेंस्की का संबोधन में रूस के खिलाफ सख्त संदेश: बता दें कि महासभा के दूसरे दिन जब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की सं बोधित कर रहे थे, तब रूस के खिलाफ उनका रवैया और संदेश सख्त था। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर कड़ा हमला बोला। जेलेंस्की ने कहा कि सभा में मौजूद कई देश या तो युद्ध में हैं या उससे बाहर निकले हैं या फिर युद्ध रोकने की कोशिश कर रहे हैं या खुलकर उसकी तैयारी कर रहे हैं। हमने कल राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की और कई अन्य मजबूत नेताओं से भी बात हुई। हम सब मिलकर बहुत कुछ बदल सकते हैं। हमें जो समर्थन मिल रहा है, उसके लिए मैं आभारी हूं। जेलेंस्की ने आगे कहा कि जी7 और जी20 जैसे समूह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन असली जिम्मेदारी पूरे संयुक्त राष्ट्र समुदाय की है। उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे रूस की आक्रामकता के खिलाफ बोलें और अंतरराष्ट्रीय कानून और व्यवस्था की रक्षा में यूक्रेन का साथ दें।

कश्मीर की बेटी ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

खोले आतंकवाद के सारे राज

जिनेवा , एजेंसी।
कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की पीड़ित तस्लीमा अख्तर ने विश्व समुदाय से मार्मिक अपील की है। उन्होंने अपने बचपन की भयावह घटनाओं और जम्मू-कश्मीर में असंख्य परिवारों द्वारा पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद से झेली जा रही निरंतर पीड़ा को बयां किया। कश्मीर की एक बेटी के रूप में उन्होंने 11 अप्रैल 1999 की दर्दनाक यादें ताजा कर दीं, जब केवल 11 साल की उम्र में उन्होंने अपने पिता और बड़े भाई को स्थानीय उग्रवादियों तथा पाकिस्तानी आतंकियों के संयुक्त हमले में उठते हुए देखा। उनके पिता को क्रूर यातनाओं के बाद रिहा किया गया, जबकि भाई को सात दिनों तक बंधक रखा गया।

उन्होंने आगे बताया कि इस आघात ने पूरे परिवार को अपना पैतृक घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। भावुक स्वर में उन्होंने कहा कि उस क्षण से मेरा बचपन हमेशा के लिए समाप्त हो गया। कार्यकर्ता ने आगे खुलासा किया कि घाटी में व्याप्त आतंकवाद की इस लहर ने उनके दस सहपाठियों को अनाथ कर दिया। दर्द भरी आवाज में उन्होंने कहा कि वे बच्चे, जो स्कूल में मेरे साथ खेलते-कूदते थे, वे अपने माता-पिता से अलग हो गए; उनकी जिंदगी की शुरुआत ही बर्बाद हो गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये विपत्तियां व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि कश्मीर के आतंक प्रभावित लोगों के साझा दर्द का है।

उन्होंने पिछले तीन दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद द्वारा क्षेत्र को कैसे तबाह किया गया, इसका उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की हत्याएं, कार्यस्थलों पर प्रवासी श्रमिकों पर हमले, मस्जिदों और मंदिरों में नमाज या पूजा कर रहे लोगों पर प्रहार, और कश्मीरी पंडितों जैसे समुदायों का सम्पूर्ण विस्थापन। उन्होंने तत्काल वैश्विक हस्तक्षेप की मांग करते हुए तीन प्रमुख मांगें रखीं। अंत में उन्होंने कहा कि हम बदला नहीं चाहते; हम न्याय की मांग करते हैं। हम युद्ध नहीं; हम शांति की आकांक्षा रखते हैं। हम निराशा नहीं; हम आशा की किरण की तलाश में हैं। इस अवसर पर उन्होंने विश्व से अपील की कि आतंक के इन अनदेखे पीड़ितों को अनदेखा न किया जाए, बल्कि कश्मीर को शांति और मानवता की भूमि के रूप में पुनर्स्थापित करने में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करें।

हम इजराइल से डरते हैं, सीरिया के राष्ट्रपति ने खुद कबूली ये बात

न्यूयार्क, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी पहली ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज कराने के बाद, सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने मंगलवार को एक गंभीर चेतावनी जारी की है. उन्होंने कहा कि यदि इजरायल उनके देश की संप्रभुता का सम्मान करते हुए सुरक्षा समझौता करने में असफल रहता है, तो पूरा मध्य-पूर्व फिर से संकट के गर्त में जा सकता है. हालांकि शरा ने यह भी माना कि सीरिया इजरायल से खतरा नहीं पैदा करता बल्कि उन्हें खुद इजरायल से डर लगता है.

दिसंबर में बशर अल-असद के लंबे शासन के बाद सत्ता संभालने वाले अहमद अल-शरा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता इजरायल के साथ स्थायी और सुरक्षित समझौते पर काम करना है. उन्होंने आरोप लगाया कि इजरायल जानबूझकर बातचीत में देरी कर रहा है और उनकी सीमाओं का उल्लंघन लगातार कर रहा है. शरा ने स्पष्ट किया कि सीरिया किसी भी तरह के देश के बंटवारे को स्वीकार नहीं करेगा और उनकी सरकार ड्रूज अल्पसंख्यक सहित सभी समुदायों के हितों की रक्षा कर रही है.

शरा ने बताया कि जॉर्डन पर दबाव है और अगर सीरिया बंटा तो इसका असर इराक और तुर्की पर भी पड़ेगा, जिससे क्षेत्र में स्थिरता खतरे में पड़ सकती है. उन्होंने याद दिलाया कि सीरिया ने डेढ़ दशक के खूनी युद्ध के बाद अभी-अभी स्थिरता की ओर कदम बढ़ाए हैं. मध्यस्थता कर रहे अमेरिका के विशेष दूत टॉम बरैक ने संकेत दिए हैं कि सीरिया और इजरायल के बीच डि-एस्केलेशन यानी तनाव कम करने का समझौता करीब है. इसके तहत इजरायल हवाई हमले और घुसपैठ बंद करेगा, जबकि सीरिया सीमा के निकट कोई भारी हथियार नहीं तैनात करेगा. बरैक ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के लिए पहला कदम होगा और सभी पक्ष अच्छे इरादों के साथ आगे बढ़ रहे हैं. गोलान हाइट्स के मुद्दे पर शरा ने कहा कि वे चाहते हैं कि इजरायल उनके क्षेत्र में तैनात सैनिकों को वापस बुलाए और हवाई हमले बंद करे. असद के शासन के पतन के बाद से इजरायल ने बार-बार सैन्य कार्रवाई की है ताकि सीरियाई सैन्य शक्ति को कम किया जा सके. साथ ही, दक्षिणी सीरिया में ड्रूज समुदाय पर हमलों को रोकने के लिए भी इजरायल ने हस्तक्षेप किया है. अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सुरक्षा समझौते की घोषणा जल्द करने की इच्छा जता चुके हैं।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी: एआई पर चर्चा के दौरान सात बार अटके पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

न्यूयार्क, एजेंसी। वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की किरकिरी कोई नई बात नहीं है। ऐसे में एक बार फिर पाकिस्तान को इसी तरह की बेज्जती का सामना तब करना पड़ा जब पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में आयोजित एक उच्च स्तरीय बहस के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बोल रहे थे। इस दौरान ख्वाजा ने एक नहीं, दो नहीं कुल सात बार अटक गए , जो कि सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इतना ही नहीं इस बात को लेकर वे सोशल मीडिया पर खुब ट्रोल भी हो रहे हैं।

बता दें कि ये बात तब की है जब यूएनएससी में ख्वाजा एआई को दोहरे उपयोग वाली तकनीक बताया। उन्होंने कहा कि यह जहां सामाजिक-आर्थिक तरक्की में मदद कर सकती है, वहीं इसके गलत उपयोग से असमानताएं बढ़ सकती हैं और वैश्विक शांति को खतरा हो सकता है। उन्होंने आगाह किया कि एआई के सैन्य इस्तेमाल को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत पूरी तरह नियंत्रित किया जाना चाहिए। पाकिस्तानी नेता ने आगे इशारों-इशारों में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर भी बातें कही। उन्होंने कहा कि हालिया भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान एक परमाणु संपन्न देश ने एआई आधारित हथियारों और क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जो एआई के सैन्य उपयोग के खतरे को दर्शाता है। इस दौरान आसिफ ने कहा कि ऐसी एआई तकनीकों का उपयोग, जिनमें मानव का कोई सक्रिय नियंत्रण न हो, प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उन्होंने खास तौर पर चेताया कि एआई आधारित हथियार और नियंत्रण प्रणालियां युद्ध की संभावनाओं को बढ़ा सकती हैं।

अमेरिका बोला-भारत किसी से भी तेल खरीदे, रूस से नहीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भारत से अपील की है कि वह रूस से कच्चे तेल का आयात करने पर दोबारा सोचे। न्यूयॉर्क में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राइट ने कहा, आप दुनिया के किसी भी देश से तेल खरीद सकते हैं, बस रूस से नहीं। अमेरिका भी तेल बेचता है और बाकी देश भी। हम भारत को सजा नहीं देना चाहते, बल्कि युद्ध खत्म करना चाहते हैं और भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना चाहते हैं। राइट ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि भारत उसके साथ मिलकर काम करे। राइट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी चाहते हैं कि यह युद्ध जल्द खत्म हो। उन्होंने कहा कि ऊर्जा और व्यापार सहयोग में भारत के साथ बहुत उज्ज्वल भविष्य है, लेकिन हमें मिलकर ऐसा तरीका निकालना होगा जिससे रूस पर दबाव डाला जा सके और यह युद्ध बंद हो। राइट ने बताया कि उन्होंने हाल ही में विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की और भविष्य में सहयोग पर बातचीत शुरू की है। रूस ने अगस्त में कहा था कि उसके कच्चे तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि यह सबसे सस्ता है। सीनियर रूसी डिप्लोमेट रोमन बाबुश्किन ने उस समय बताया कि भारत को रूसी तेल पर लगभग 5 प्रतिशत की छूट मिल रही थी, जिससे उसे बड़ा मुनाफा हो रहा था।

अगले महीने भारत आ सकती हैं कनाडा की विदेश मंत्री

निज्जर विवाद के बाद होगा पहला हाई प्रोफाइल-दौरा

ओटावा, एजेंसी।
कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद अगले महीने भारत का दौरा करेंगी, जहां वह अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी। 2023 में दोनों देशों के संबंधों में खटास आई थी। जिसके बाद से कनाडा के किसी विदेश मंत्री का यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर आरोप लगाया था कि वह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या करने की साजिश में शामिल है। इसके बाद द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, दौरे की तारीख अभी तय नहीं हुई है। लेकिन दोनों देशों के अधिकारी आपस में संपर्क में हैं और तारीख पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की कनाडाई समकक्ष से मुलाकात: इस साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी की मुलाकात हुई थी। इसके बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार सुधर रहे हैं। इस मुलाकात के बाद से भारत और कनाडा ने संबंधों को सामान्य करने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। बुधवार को भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने ओटावा में रिड्यू हॉल में औपचारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला। इससे पहले कनाडा के कई शीर्ष अधिकारियों ने भी भारत का दौरा किया है।

राजनयिक कर्मचारियों की बहाली की तैयारी: पिछले हफ्ते भारत ने संकेत दिया कि वह कनाडा में अपने सभी राजनयिकों की बहाली पर विचार कर सकता है। दो साल पहले भारत ने कनाडा के दो-तिहाई राजनयिकों की कूटनीतिक सुरक्षा को हटा दिया था। जिसके बाद अक्तूबर 2023 में 41 कनाडाई अधिकारियों को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा था। पिछले शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि दोनों देश अपने-अपने मिशनों और वाणिज्य दूतावासों में क्षमता से जुड़ी समस्याओं को रचनात्मक तरीके से हल करने पर सहमत हुए हैं। भारत और कनाडा के संबंध उस वक्त सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के मामले में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। इस आरोप के बाद भारत ने कनाडा से अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। जवाब में भारत ने भी कनाडा के कई राजनयिकों को देश से निकाल दिया था। हालांकि, इस साल अप्रैल में संसदीय चुनाव में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी की जीत के बाद संबंधों को फिर से सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई।

गोविंद गार्डन झांकी में सजीव चित्रण देखने के लिए उमड़ी भीड़: रिंकू भटेजा

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

श्री दुर्गा उत्सव समिति व्यापारी संघ गोविंद गार्डन रायसेन रोड के अध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि यह समिति की सफलता का 29 वा वर्ष है, दुर्गा जी के साथ में लक्ष्मी जी, सरस्वती जी बिराजमान हैं। माता जी की मूर्तियों की ऊंचाई 8 फीट है, पांडाल जिसका आकार 90x30 फीट है। झांकी का मुख्य आकर्षण काली माता जी का सजीव चित्रण है। माता रानी की झांकी के मंच पर प्रतिदिन मथुरा, वृंदावन, उज्जैन एवं भोपाल के कलाकारों द्वारा सुंदर-सुंदर झांकी का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है एवं काफी सराहना की जा रहा है। झांकी को देखने के लिए प्रतिदिन काफी संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे एवं भक्तगण आ रहे हैं।

डॉ. रूमा भट्टाचार्य का अल्ज़ाइमर पर सत्र

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

बीएसएसएस के मनोविज्ञान विभाग ने अपने मनोविज्ञान के छात्रों के लिए 24 सितंबर 2025 को अल्ज़ाइमर रोग पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन प्रख्यात मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. रूमा भट्टाचार्य ने किया। डॉ. भट्टाचार्य ने अल्ज़ाइमर को एक प्रगतिशील तंत्रिका-अपक्षयी विकार के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें इसके लक्षणों, चरणों और मनोसामाजिक प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने शीघ्र निदान, जागरूकता और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला। सत्र का समापन एक संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ, जिससे छात्रों को अवधारणाओं को स्पष्ट करने और सिद्धांत को व्यावहारिक दृष्टिकोणों से जोड़ने का अवसर मिला। मनोविज्ञान विभाग डॉ. भट्टाचार्य के बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और छात्रों की सक्रिय भागीदारी के लिए उनका आभार व्यक्त करता है।

'साड़ीज़ ऑफ़ इंडिया' प्रदर्शनी: नई दिल्ली में बाग प्रिंट बना आकर्षण का केन्द्र

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल द्वारा नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'साड़ीज़ ऑफ़ इंडिया' प्रदर्शनी में कला और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। इस भव्य प्रदर्शनी में देशभर के चुनिंदा और श्रेष्ठ शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है, जहाँ भारत की विविधता और समृद्ध हस्तकला परंपरा को एक ही छत के नीचे देखने का अवसर मिल रहा है। मध्यप्रदेश का बाग प्रिंट आयोजन का विशेष आकर्षण बना हुआ है। प्रदर्शनी 27 सितम्बर तक चलेगी।

प्रदर्शनी के दूसरे दिन बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री और सांसद सुश्री कंगना रनौत ने मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट शिल्पकार श्री मोहम्मद आरिफ खत्री की कलाकृतियों की जमकर तारीफ़ की और विस्तार से बाग प्रिंट की तकनीक और प्राकृतिक रंगों के महत्व पर बातचीत की। श्री खत्री ने सुश्री रनौत को मध्यप्रदेश बाग प्रिंट कला के उद्गम स्थल बाग गांव आने का आमंत्रिण दिया। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ियाँ इस धरोहर को संभालती आई हैं और आज भी यह गाँव कला की जीवंत पाठशाला है।

प्रदर्शनी में उपस्थित जानी-मानी क्राफ्ट रिवाइवलिस्ट मंजीरी नेरोला, कामियानी जलन और दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा राय ने भी बाग प्रिंट साड़ियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का बाग प्रिंट सुंदर संगम हैं, जिनमें प्राकृतिक रंगों की चमक और हस्तकला की शान झलकती है।

गौरतलब है कि श्री खत्री को उनके नवाचार और बाग प्रिंट को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। कला-प्रेमियों और दर्शकों के लिए यह प्रदर्शनी केवल साड़ियों का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के विविध रंगों का उत्सव है।

170 का भुगतान करें, बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन कराएं

बिजली कनेक्शन में नाम परिवर्तन करना हुआ आसान

भोपाल, नप्र। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं को कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से विद्युत कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई है।

अब उपभोक्ताओं को उनके परिसरों में पूर्व से विद्यमान कनेक्शन के नाम में परिवर्तन करना बेहद आसान हो गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि जिन उपभोक्ताओं को अपने मीटर से संबंधित नाम में परिवर्तन करना है वह कंपनी की वेबसाइट https:// portal.mpcz.in/web/ में एलटी सर्विसेस के एलटी अदर सर्विसेस में दिये गये नेम ट्रांसफर अथवा सीधे https:/ /saral-sanyojan.mpcz.in पर जाकर अदर यूजफुल लिंक्स में दिये गये अप्लाय फॉर अदर सर्विसेस के माध्यम से आसानी से करा सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि विद्युत उपभोक्ताओं को नाम परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के दौरान अपना आईवीआरएस नंबर,संबंधित समग्र आईडी,पैन कार्ड एवं आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के उपरांत लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर निर्धारित शुल्क 170/- रूपये का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन देने के पश्चात उपभोक्ता आवेदन क्रमांक अथवा मोबाइल नंबर से आवेदन की स्थिति भी देख सकते हैं।

कार्मिकों पर बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर होगी कार्यवाही

सुचारू विद्युत आपूर्ति के लिये 24×7 फोन पर उपलब्ध हैं बिजली कार्मिक

भोपाल, नप्र। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिये कंपनी कार्य क्षेत्र के बिजली कार्मिकों को मुख्यालय पर रहने एवं 24ङ्ग7 दिवस अपने फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए गये हैं।

गौरतलब है कि विभिन्न प्राकृतिक और अन्य कारणों से विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्मिकों के मुख्यालय पर नहीं रहने के कारण विद्युत आपूर्ति को दुरूस्त करने में लगने वाले अधिक समय से उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी और उपभोक्ताओं की सुविधा को संज्ञान में लेते हुए कंपनी द्वारा सभी कर्मिकों को मुख्यालय पर रहने के निर्देश जारी किये गये हैं। कंपनी ने बताया है कि कार्मिकों के मुख्यालय पर नहीं रहने के कारण उपभोक्ताओं को निरंतर विद्युत आपूर्ति किए जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इस दौरान उपभोक्ता शिकायतों की संख्या बढ़ने एवं उपभोक्ता असंतोष की स्थिति से निपटने के लिए कंपनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के मैदानी अमले के साथ-साथ विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था से जुड़े नियमित/संविदा/सेवाप्रदाता कार्मिकों को डयूटी समाप्ति के उपरांत भी अपने मुख्यालय पर रहने एवं 24×7 दिवस तथा अवकाश के दौरान भी अपना मोबाइल फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए हैं।

कंपनी ने कहा है कि मुख्यालयों पर पदस्थ कार्मिकों को 24×7 दिवस मुख्यालय पर उपस्थित रहकर मुख्यालय पर निवासरत होने संबंधी स्वप्रमाणित घोषणा पत्र अपने उच्च अधिकारी को प्रस्तुत करना होगा। साथ ही उच्च अधिकारियों को स्वयं के घोषणा पत्र सहित उनके अधीनस्थ कार्मिकों से प्राप्त घोषणा पत्र पर अपनी टिप्पणी दर्ज कर कंपनी मुख्यालय को प्रस्तुत करना होगा। कंपनी ने कहा है कि किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी का मोबाइल यदि विशेष कारणों से बंद भी होता है तो वे अन्य संपर्क सूत्र से अपने नियंत्रणकर्ता अधिकारी को अवगत करायेंगे तथा नियंत्रणकर्ता अधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी कार्मिक मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। यदि कोई भी कर्मचारी निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्हें गृह भाड़े भत्ते का भी भुगतान नहीं किया जाएगा।

भोपाल में लगे आई लव महादेव के बैनर, डॉ. दुर्गेश केसवानी ने दिया बड़ा बयान

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के शीतल दास की बगिया में शनिवार को जाग्रत हिंदू मंच ने आई लव महादेव लिखे बैनर लगाकर अपनी आस्था का अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान मंच के संरक्षक डॉ. दुर्गेश केसवानी ने कहा कि महाकाल हमारी आस्था के केंद्र हैं और इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

महाकाल देवों के देव और कालों के काल: जाग्रत हिंदू मंच के संरक्षक डॉ. केसवानी ने कहा कि महाकाल सिर्फ उज्जैन या मध्य प्रदेश के नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की आस्था के केंद्र हैं। उन्होंने कहा, महाकाल देवों के देव और कालों के काल हैं, सृष्टि का संचालन महाकाल ही करते हैं। मध्य प्रदेश को यह सौभाग्य प्राप्त है कि यहां महाकाल और ओंकारेश्वर जैसे ज्योतिर्लिंग हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई अपने ईष्ट को पूजता है और उनके बैनर लगाता है तो इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

गंगा-जमुनी तहजीब का देश है भारत

डॉ. केसवानी ने कहा कि भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर दूसरे धर्मों के लोग अपने धार्मिक पोस्टर और बैनर लगाते हैं तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। यह देश गंगा-जमुनी तहजीब का देश है। हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था व्यक्त करने का अधिकार है।

पत्थरबाजों और जिहादियों पर साधा निशाना: हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि आपत्ति केवल उन लोगों से है जो धार्मिक आयोजनों पर हमला करते हैं। उन्होंने कहा, दुर्गा जी के जुलूस या हनुमान जी के जुलूस पर पथराव करने वालों से हमें आपत्ति है। हमें थूकबाजों और पत्थरबाजों से दिक्कत है, जो समाज में नफरत फैलाने का काम करते हैं। डॉ. केसवानी ने आगे कहा कि लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसी गतिविधियां सामाजिक सौहार्द को तोड़ने का काम करती हैं और इन्हें किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मोहन सरकार करेगी सख्त कार्रवाई

जाग्रत हिंदू मंच ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार इस तरह के तत्वों पर कठोर कार्रवाई करेगी। मंच ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि समाज में सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरती जाएगी।

प्रदेश में 2025 कराधन मोटरयान अधिनियम के तहत भोपाल में पहली कार्यवाही

भोपाल से उदयपुर जा रही थी एम आर ट्रेवल्स की बस, साथ ही 11 वाहनो से वसूला 84 हज़ार जुर्माना

भोपाल, नप्र। प्रदेश में नए 2025 मोटरयान कराधन अधिनियम के तहत राजधानी भोपाल के परिवहन अमले द्वारा की गई पहली कार्यवाही। कार्यवाही के तहत भोपाल से उदयपुर जा रही परमिट शर्तों के उल्लंघन में बस क्रमांक स्क्क44 ष्ठ 2824 पर प्रदेश में पहली कार्यवाही नए संशोधित मोटर कराधन अधिनियम के तहत की गई। इसमें बस पर प्रति सीट 1000 रुपये के हिसाव से जुर्माना किया गया। बस में 39 हज़ार रु शासति,10 हज़ार रु समझौता सहित लगभग 15800 रु टैक्स वसूला गया। इस प्रकार लगभग 64हज़ार जुर्माना कर बस को छोड़ा गया। साथ ही आरटीओ भोपाल जितेंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में अमले द्वारा 11 वाहनों से वसूला 84 हजार रुपए का जुर्माना। कार्यवाही के दौरान बिना परमिट, फिटनेस एवं टैक्स 01 ड्राइविंग स्कूल का वाहन एवं 03 पी यू सी वाहन जब्त।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय भोपाल द्वारा लोकपरिवहन बसों, स्कूल वाहनो , मालयानों सहित अन्य वाहनों की लगातार अभियान के तहत चेकिंग की जा रही है। इसमें बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। साथ ही आम नागरिकों को अपने वाहनों पर ॥स्क्क नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति ,स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। वाहनों के दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। साथ ही विशेष रूप से स्कूल व कॉलेज के वाहनो की सघन जाँच की जा रही है। बुधवार को परिवहन विभाग की टीम द्वारा होशंगाबाद रोड व रायसेन रूट की बसों की चेकिंग की गई। स्कूल तथा यात्री बसों में चेकिंग के दौरान विभिन्न कमियां पाए जाने पर 11 वाहनों पर 84 हज़ार रुपए का जुर्माना लगाया गया । साथ ही परमिट शर्तो के उल्लंघन में बस क्रमांक स्क्क44 ष्ठ 2824पर नए मोटर यान अधिनियम के तहत प्रदेश की पहली कार्यवाही करते हुए जुर्माना किया गया। वही चेकिंग के दौरान एक ड्राइविंग स्कूल वाहन बगैर फिटनेस, परमिट व टैक्स के पाया। उक्त वाहन को आरटीओ द्वारा जप्त कर लिया गया। साथ ही 03 पीयूसी वाहन भी जब्त किए गए।

नशा मुक्ति जागरूकता पोस्टर का विमोचन

भोपाल, नप्र। भोपाल के चार इमली स्थित कार्यालय में आज मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत अग्रणी संस्था उमंग नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा संचालित जागरूकता अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति पर केंद्रित पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री कुशवाह ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश से नशे की बुराई को जड़ से मिटाने के लिए सामाजिक संगठनों का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उमंग नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष श्री दीपेंद्र मीना, ढ्ढष्टक्कस्न के डायरेक्टर डॉ. राहुल देशमुख तथा बेंगलुरु (कर्नाटक) से पधारे श्री परमेश्वर विशेष रूप से उपस्थित रहे।संस्था अध्यक्ष श्री दीपेंद्र मीना ने बताया कि उमंग नशा मुक्ति एवं पुनर्वासकेंद्र लंबे समय से नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्यरत है और समय-समय पर जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

शासकीय सरदार पटेल स्कूल में हुआ मैं हूँ अभिमन्यु अभियान कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल, नप्र। महिला सुरक्षा शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा मैं हूं अभिमन्यु अभियान चलाया जा रहा हैं। उक्त अभियान के तहत शहरी भोपाल पुलिस के जोन 04 थाना निशातपुरा अंतर्गत करोंद स्थित शासकीय सरदार पटेल स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र छात्राओं को थाना निशातपुरा 2 वाई सी एम डी अहिवार सहित स्टाफ ने छात्र छात्राओं को महिला सुरक्षा, नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा और लिंगभेद जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया गया।

इसी के साथ छात्र छात्राओं को महिला हेल्प लाइन, पुलिस हेल्प लाइन, चाइल्ड हेल्प लाइन, सायबर हेल्प लाइन, राष्ट्रीय महिला आयोग, पुलिस मोबाइल ऐप नंबर अंकित नंबर वितरण किया गया।

संजीव नगर में फरियादी के घर के पास विवाद कर मां की चैन झपटी

भोपाल, नप्र। करोंद न्यू जेल संजीव नगर में फरियादी के घर के पास विवाद कर दो अज्ञात लुटेरों ने मां की चेन झपटी और भाग गए। थाना निशातपुरा से मिली जानकारी के अनुसार मामले की शिकायत अभिषेक सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी एमआईजी संजीव नगर भोपाल द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि बाय हाई कोर्ट जबलपुर में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस करते हैं। घटना बुधवार रात 24 सितंबर करीब 11:00 से 12:00 बजे के बीच की बताई जा रही है। अभिषेक सिंह ने बताया कि वह अपने घर के पास खड़े होकर उनके घर के पास ही रहने वाले अनिल दिक्षित से बात कर रहे थे। इसी दौरान उनके घर के पास दो लड़के कुछ जला रहे थे। इसको लेकर उन्होंने आपत्ति दर्ज करवाई और उनका पता पूछा। तो आरोपियों ने चिल्लाते हुए कहा कि यही पास ही ग्रीन पार्क कॉलोनी में रहते हैं। फरयादी ने कहा क्या जला रहे अपने घर के पास जाकर जलाओ। तो इस पर अज्ञात लोगों और फरियादी का विवाद होने लगा। विवाद के बाद अज्ञात आरोपियों ने फरियादी को गंदी-गंदी गालियां दी। यह सुनकर फरियादी की मां घर से बाहर आ गई। जिसकी चैन गले से झपटकर आरोपी भाग गए। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर 25 सितंबर सुबह मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना में किसी प्रकार की कोई सीसीटीवी फुटेज अभी सामने नहीं आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रख्यात गायक शहनाज अख्तर के भक्ति संगीत में झूमा भोपाल

भोपाल, नप्र। देशभर में नवरात्रि के अवसर पर माता रानी की पूजा अर्चना की जा रही है। जगह-जगह भजन संध्या और जगराते आयोजित हो रहे हैं। इसी कड़ी में राजधानी भोपाल के कोलार रोड स्थित मां पार्वती नगर, बंजारी में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस भजन संध्या में देश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर ने अपने मधुर गीतों की प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति सुन राजधानीवासी मातारानी की भक्ति में लीन हो गए। उक्त कार्यक्रम का आयोजन मां पार्वती नगर गणेश उत्सव समिति की संरक्षक और सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री पूनम दुबे जैन द्वारा किया गया था। बुधवार की शाम से ही भक्ति संगीत का आनंद लेने वाले भक्तगणों की भीड़ उभरने लगी थी।रात करीब 8:00 बजे जैसे ही गायिका शहनाज अख्तर ने मंच पर कदम रखा, वैसे ही पूरा समारोह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।शहर वासियों का अभिवादन करने के बाद गायिका शहनाज अख्तर में जो भक्ति संगीत छेड़ा तो श्रोता वाह-वाह कर उठे। देर रात तक यह भजन संगीत का कार्यक्रम चला रहा, जिसमें शहर के हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आनंद का लाभ उठाया।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, शनिवार 27 सितंबर 2025

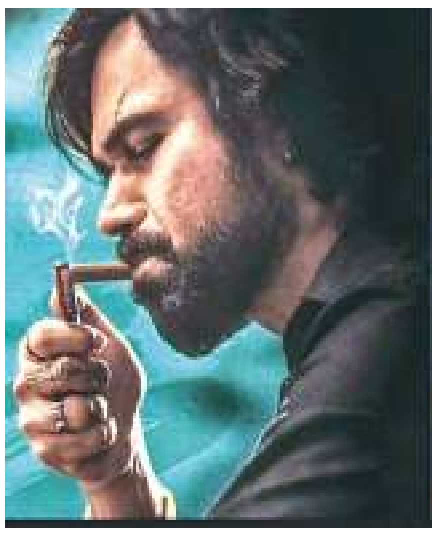

पवन कल्याण की फिल्म बनी 2025 की सबसे बड़ी तेलुगु हिट

साउथ पावर स्टार पवन कल्याण इन दिनों लगातार सोशल मीडिया पर चर्चा में बने हुए हैं। वजह है उनकी लेटेस्ट फिल्म They Call Him OG, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार धमाका किया है। इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि जब पवन को सही किरदार और मजबूत टीम मिलती है तो उनका स्टारडम हर बार नया रिकॉर्ड बना देता है। भारत में रिलीज के पहले दिन ही फिल्म ने सिर्फ प्रीमियर शोज से 23 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, पहले दिन के केवल मॉर्निंग शोज से ही फिल्म ने 11 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लिया। आइए जानते हैं कैसे पवन कल्याण की यह फिल्म 2025 की सबसे बड़ी तेलुगु हिट बन चुकी है। पवन कल्याण की फिल्म से पहले 2025 की सबसे बड़ी तेलुगु हिट वेटरन एक्टर वेंकटेश की They Call Him OG,' थी, जिसने अपने रन के दौरान 2.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर का कलेक्शन किया था। वहीं, कुछ हफ्ते पहले रिलीज हुई तेजा सज्जा की फिल्म 'Mirai' ने 2.6 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करके टॉप स्पॉट हासिल करने की उम्मीद जगा दी थी। लेकिन पवन कल्याण की एंट्री ने पूरा खेल बदल दिया है। और हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक 'They Call Him OG,' ने सिर्फ प्रीमियर डे पर ही 3 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। बीते साल अमेरिका में तेलुगु भाषा 11वीं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा बनी थी, जहां तेलुगु बोलने वालों की संख्या 10 लाख से ज्यादा है।

बिग बॉस: 19 नेहल चुडासमा की रीएंट्री के बाद मचेगा बवाल

बिग बॉस में इन दिनों जो ट्विस्ट आ रहे हैं वो कुछ दर्शकों को रास नहीं आ रहे हैं। खासतौर पर नेहल चुडासमा को एलिमिनेशन के बाद सीक्रेट रूम भेजने के बिग बॉस के फैसले से लोग काफी नाराज हैं। बिग बॉस द्वारा नेहल को स्पेशल पावर देने के भी लोग सख्त खिलाफ नजर आ रहे हैं। दअरसल हाल ही में एक टास्क के दौरान बिग बॉस ने नेहल को प्रणीत मोरे और शहबाज बदेशा की टीम में से एक विजेता चुननें का मौका दिया था जिसके बाद नेहल ने शहबाज की टीम को विनर घोषित किया। नेहल के इस फैसले से सोशल मीडिया पर मानो जंग छिड़ गई है क्योंकि साफतौर पर दिख रहा था कि प्रणीत की टीम जीत रही थी। नेहल के दोस्त फरहाना भट्ट और बसीर अली शाहबाज की टीम में थे इसलिए उन्होंने टीम शाहबाज को जिताया था। इसके बाद प्रणीत की पूरी टीम घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हो गई।कहा जा रहा है कि नेहल के घर में रीएंट्री करने के बाद घर का सारा माहौल बदल जाएगा। इतने दिनों तक सीक्रेट रूम में रहकर नेहल ने हर किसी को देखा है। घर में वापसी के बाद वे कई लोगों का पर्दाफाश करती नजर आएंगी जिससे काफी बड़े-बड़े झगड़े होने की उम्मीद है। घर वालों को लग रहा था कि नेहल घर से बेघर हो गई हैं लेकिन उनकी वापसी हर किसी को चौंका देगी।नेहल घर में वापस आने के बाद कई बड़े खुलासे करने वाली है जिससे करीबी रिश्तों में भी दूरियां आ सकती है। खासतौर पर नेहल ने अमाल मलिक और तान्या मित्तल की कही बातों पर काफी गौर किया है। अब कयास लगाया जा रहा है कि वापस आने के बाद नेहल का सबसे बड़ा टारगेट तान्या और अमाल होंगे। हालांकि घर के जिन सदस्यों को नेहल ने नॉमिनेशन से बचाया है उनके साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी होगी यह देखने लायक होगा।चूंकि अपने स्पेशल पावर का इस्तेमाल करते हुए नेहल ने टीम शाहबाज को जिताया था इसलिए प्रणीत के अलावा उनकी टीम से गौरव खन्ना, आशनूर कौर, नीलम गिरी, आवेज दरबार और मृदुल तिवारी इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार इस हफ्ते प्रणीत मोरे घर से बाहर हो सकते हैं।

मदालसा है टीवी की बेहद ग्लैमरस एक्ट्रेस

मदालसा को आपने स्टार प्लस के मोस्ट पॉपुलर सीरियल अनुपमा में लीड एक्ट्रेस की सौतन के रोल में देखा है. मदालसा को अनुपमा की सौतन का रोल मिला था और उसे लोगों ने खूब पसंद भी किया.

सीरियल में मदालसा जितनी खतरनाक दिखाई गईं, रियल लाइफ में उनका नेचर उतना ही स्वीट है. इंस्टाग्राम पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आप जान सकते हैं कि मदालसा और अनुपमा यानी रुपाली गांगुली रियल लाइफ में अछे दोस्त हैं.26 सितंबर 1991 को मुंबई में जन्मीं मदालसा की मां बॉलीवुड

एक्ट्रेस शीला डेविड हैं. इन्हें आपने नदिया के पार, अबोध, चोरी चोरी चुपके चुपके और टार्जन जैसी फिल्मों में देखा होगा.मदालसा ने 2009 में तेलुगू फिल्म फिटिंग मास्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके अगले साल उन्होंने मलयालम फिल्म शौर्या की, जिसने मदालसा के करियर को बूस्ट करने का काम किया.साउथ की कई फिल्में करने के बाद 2017 में मदालसा म्यूजिक वीडियो धोखा में नजर आईं. वहीं 2020 में मदालसा की एंट्री अनुपमा सीरियल में हुई, जिसमें उन्होंने 4 सालों तक काम किया और पिछले साल ही मदालसा ने उस सीरियल को छोड़ा है.अनुपमा में लीड एक्ट्रेस के पति का रोल सुधांशु पांडे ने निभाया था और मदालसा ने उनकी प्रेमिका काव्या का रोल प्ले किया था. सीरियल के दौरान ही मदालसा ने सुधांशु का एक म्यूजिक एल्बम दिल की तू जमीं किया.इंस्टाग्राम पर मदालसा शर्मा के 2.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं और यहां वो फैंस के लिए एक से बढ़कर एक ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. मदालसा बेहद खूबसूरत हैं और आज अपना 34वां बर्थडे मना रही हैं।

तान्या मित्तल के झूठों का हुआ पर्दाफाश

ग्वालियर का नाम खराब करने का लगा आरोप

आए दिन सोशल मीडिया पर उनके बारे बारे में कुछ ना कुछ बात होती रहती है। लेकिन इस बार मामला थोड़ा गंभीर नजर आ रहा है। तान्या के बड़े-बड़े झूठ बोलने की आदत से लोग काफी भड़क रहे हैं। सनातन सेवा के उपाध्यक्ष अनंत शर्मा ने अपनी नाराजगी जताते हुए तान्या मित्तल को जमकर फटकार लगाई है। अनंत का कहना है कि तान्या ग्वालियर से है और शो में वे इतना झूठ बोल रही हैं जो बहुत ही गलत है। अनंत का कहना है कि यह शर्म की बात है कि तान्या ग्वालियर से हैं।अनंत ने तान्या पर आरोप लगाया कि वे ग्वालियर का नाम खराब कर रही हैं।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर तान्या मित्तल इन दिनों खूब लाइम लाइट में हैं। दरअसल जब से तान्या ने बिग बॉस के घर में एंट्री ली है वे सिर्फ अपने पैसों और प्रॉपर्टी के बारे में बातें करती रहती हैं। ऐसे में उनके इस व्यवहार से सिर्फ घरवाले ही नहीं बल्कि जनता भी काफी परेशान हो रही है। घर के अंदर कंटेस्टेंट्स अक्सर उनका मजाक उड़ाते रहते हैं लेकिन घर के बाहर भी लोग तान्या की इन हरकतों के खूब मजे ले रहे हैं। आए दिन सोशल मीडिया पर उनके बारे बारे में कुछ ना कुछ बात होती रहती है। लेकिन इस बार मामला थोड़ा गंभीर नजर आ रहा है। तान्या के बड़े-बड़े झूठ बोलने की आदत से लोग काफी भड़क रहे हैं। सनातन सेवा के उपाध्यक्ष अनंत शर्मा ने अपनी नाराजगी जताते हुए तान्या मित्तल को जमकर फटकार लगाई है। अनंत का कहना है कि तान्या ग्वालियर से है और शो में वे इतना झूठ बोल रही हैं जो बहुत ही गलत है। अनंत का कहना है कि यह शर्म की बात है कि तान्या ग्वालियर से हैं।अनंत ने तान्या पर आरोप लगाया कि वे ग्वालियर का नाम खराब कर रही हैं। उनका कहना है कि ग्वालियर के कई लोग आज ऊंचाइयां छू रहे हैं, लेकिन तान्या मित्तल अपनी हरकतों से सब कुछ खराब कर रही हैं। अनंत का कहना है कि वे शो में इतनी बड़ी-बड़ी बातें कर रही हैं कि उनका बहुत बड़ा घर है, ढेर सारे नौकर हैं जबकि उनकी असलियत सब अच्छी तरह से जानते हैं।उपाध्यक्ष का कहना है कि तान्या उनकी बहन हैं लेकिन वे जो कर रही हैं वह काफी गलत है। पहले उन्होंने टीवी पर सनातन कल्चर को दिखाया लेकिन अब वह बिग बॉस में खुलेआम कह रही हैं कि वह ऐसा सिर्फ फैंस जनरेट करने के लिए कर रही थीं। अनंत के अनुसार सनातन कल्चर को लेकर शो में तान्या अपना एक अलग ही चेहरा दिख रही हैं। उन्होंने तान्या को नसीहत दी है कि वह जैसी हैं शो में भी वह वैसी ही रहें और इतना झूठ बोलने से बचें। बिग बॉस के घर में तान्या को अक्सर अमाल मलिक के साथ देखा जाता है। ऐसे में सोशल मीडिया पर दोनों के बीच लव एंगल देखा जाने लगा है। दरअसल कुछ दिनों पहले अमल की तबीयत खराब हो गई थी जिसके बाद तान्या ने उनका खूब ध्यान रखा था। अपने एक इंटरव्यू में अमाल के पिता डब्बू मलिक ने तान्या की जमकर तारीफ की थी और उन्हें बहुत ही नेक दिल इंसान बताया था।

नवरात्रि इवेंट में कई स्टार्स ने हिस्सा लिया

कल्याणा ज्वेलर्स ने नवरात्रि इवेंट रखा. जिसमें ना सिर्फ बॉलीवुड बल्कि कई बड़े साउथ स्टार्स ने भी शिरकत की. नीचे देखिए कौन किस लुक में नजर आया.

बीवी संग पहुंचे नागार्जुन, व्हाइट साड़ी में खूब जचीं तब्बू, रेड सूट में मलाइका ने ढाया कहर

बॉलीवुड सितारों पर भी इस वक्त नवरात्रि का खुमार चढ़ा हुआ है. इस दौरान कोई पूजा करता नजर आ रहा है. तो कोई गरबा और डांडिया नाइट में रंग जमा रहा है. वहीं नवरात्रि के चौथे दिन कल्याण ज्वेलर्स ने एक शानदार इवेंट रखा.

साउथ एक्टर प्रभु गणेशन इस इवेंट में अपनी पत्नी के साथ पहुंचे थे. जिन्होंने पैपराजी को पोज भी दिए. दोनों एकसाथ बेहद प्यारे लग रहे थे.

एक्ट्रेस पूजा सावंत भी इस इवेंट में पहुंची. जो येलो कलर की साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही थी. उन्होंने साड़ी को रेड ब्लाउज के साथ पेयर किया था.

एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष इस इवेंट में पिंक लहंगे में नजर आई. उनका ये लुक काफी क्लासी और एलीगेंट लग रहा है.

कल्याण ज्वेलर्स के इस इवेंट में कई बॉलीवुड स्टार्स भी पहुंचे. करिश्मा कपूर येलो साड़ी में किसी महारानी से कम नहीं लग रही.

साउथ के सुपरस्टार एक्टर नागार्जुन अपनी बीवी और दोनों स्टार बेटों के साथ इस इवेंट में पहुंचे थे.

नागार्जुन ने ब्लू कलर का कुर्ता कैरी किया था. एक्टर इस लुक में काफी हैंडमस भी लग रहे हैं.

बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस तब्बू भी इस इवेंट में नजर आई. एक्ट्रेस व्हाइट साड़ी में कहर ढहाती नजर आई.

तब्बू ने अपना लुक एक हैवी नेकलेस, बालों में बन और ग्लोसी मेकअप के साथ कंपलीट किया. बता दें किसी वक्त में तब्बू का नागार्जुन संग खूब अफेयर चला था. दोनों आज सालों बाद एक जगह स्पॉट हुए हैं.

एक्ट्रेस श्रीलीला पिंक कलर का फ्लोरलेंथ सूट में नजर आई. ट्रेडिशनल अवतार एक्ट्रेस पर खूब जच रहा है.

बॉलीवुड की खूबसूरत और फिट एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का इस इवेंट में बेहद हसीन अवतार देखने को मिला. एक्ट्रेस ने हैवी वर्क वाला रेड सूट कैरी किया. बालों में गजरा और माथे पर बिंदी उनके लुक में चार चांद लगा रही है.

एक्ट्रेस जेनेलिया डीसूजा भी इस इवेंट में शामिल हुई. जिन्होंने रेड कार्पेट पर इस खूबसूरत लुक में कई सारे पोज दिए।

ईरानी कप में रजत पाटीदार करेंगे शेष भारत की अगुआई

ऋतुराज होंगे उपकप्तान; विदर्भ से होना है मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम घोषित कर दी है। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ उपकप्तानी का जिम्मा संभालेंगे।

अक्षय संभालेंगे विदर्भ की कमान – विदर्भ की नजरें 2017–18 और 2018–19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। शेष भारत से पहले विदर्भ ने भी इस मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित की थी और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को टीम की कमान सौंपी थी। विदर्भ क्रिकट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक में यश राठौड़ को उपकप्तान नियुक्त किया गया था। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं। पिछले सत्र में विदर्भ को रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले उस्मान गनी टीम के कोच होंगे।

ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम– रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यश ढुल, शेख रशीद, ईशान किशन (विकेटकीपर), तनुष कोटियान, मनव सुथार, गुरनुर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, सारांश जैन। ईरानी कप के लिए विदर्भ की टीम- अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), यश राठौड़, अथर्व तायडे, अमन मोखड़े, दानिश मालेवार, हर्ष दुबे, पार्थ रेखाडे, यश ठाकुर, नचिकेत भुटे, दर्शन नालकंडेय, आदित्य ठाकरे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, शिवम देशमुख, प्रफुल्ल हिंगे और ध्रुव शौरी।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान

करुण को नहीं मिली जगह; जडेजा बने उपकप्तान

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के बाद पहली बार भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

पंत की अनुपस्थिति में जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग का जिम्मा – वेस्टइंडीज के खिलाफ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। टीम के अनुभवी विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं जिस कारण इस सीरीज के लिए उनका चयन नहीं किया गया है। पंत इंग्लैंड दौरे पर उपकप्तानी का जिम्मा भी संभाल रहे थे और उनकी अनुपस्थिति में अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई है। यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में जुरेल पर जिम्मेदारी होगी जिन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाई थी। विकेटकीपर के तौर पर जुरेल पहली पसंद हैं, जबकि बैकअप के तौर पर एन जगीदशन को भी टीम में जगह दी गई है।

बुमराह को नहीं दिया गया आराम – एशिया कप में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई कर रहे जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ आराम नहीं दिया गया है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के कार्यभार प्रबंध का ध्यान रखा गया था और उन्होंने पांच में से सिर्फ तीन मैच ही खेले थे। इसे देखते हुए माना जा रहा था कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के मद्देनजर बुमराह को इस सीरीज से आराम मिल सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बात की भी पूरी संभावना है कि बुमराह प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे। वहीं, उनके साथ मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

करुण बाहर, सरफराज को नहीं मिली जगह –इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरुआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। इसके बाद उनकी अंगुली में चोट लग गई और वह दलीप ट्रॉफी नहीं खेल सके। दूसरी ओर, सरफराज खान को एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई है। सरफराज पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाए थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना है।

श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से लिया ब्रेक – वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम के एलान से पहले बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि कर दी थी कि श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से छह महीने का ब्रेक लिया है। संभवतः इसी कारण चयनकर्ताओं ने श्रेयस के नाम पर विचार नहीं किया होगा। बीसीसीआई ने बताया था कि श्रेयस की ब्रिटेन में सर्जरी हुई थी और वह इससे उबर रहे हैं। हाल ही में लाल गेंद के मैच में खेलने के दौरान उन्हें दिक्कतें हो रही थी। श्रेयस चाहते हैं कि इस पीरियड को वह अपनी फिटनेस को ठीक करने के लिए लगाएं। श्रेयस के फैसले को देखते हुए बीसीसीआई ने ईरानी कप के लिए उनका चयन नहीं किया है।

सफलता के बावजूद सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने भारत के लिए बढ़ाई चिंता, क्या पड़ रहा कप्तानी का दबाव?

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए लगातार पांच मैच जीतकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने बुधवार को सुपर चार चरण के मैच में बांग्लादेश को हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन मौजूदा टूर्नामेंट में काफी अच्छा रहा है और टीम अजेय बनी हुई है। भारत को लगातार सफलता मिल रही है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने उसके लिए चिंता बढ़ा दी है।

अभिषेक के आउट होने के बाद लड़खड़ा रही पारी –भारत को फाइनल से पहले अब शुक्रवार को श्रीलंका का सामना करना है। टीम इस मैच में अपना मजबूत और कमजोर पक्ष दोनों को देखना चाहेगी क्योंकि खिताब के इतने करीब आकर सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम कोई गलती करने से बचना चाहेगी। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। अभिषेक ने सामने से जिम्मेदारी निभाई है और लगातार दो मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार का प्रदर्शन – मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार चार बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। उन्होंने अब तक 7, 47, 0 और 5 रनों की पारी खेली है। इससे पहले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी वह संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने उस सीरीज में 5.60 की औसत से 28 रन बनाए थे जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल है। सूर्यकुमार टी20 के विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह उनका बल्ला खामोश है, उसने भारतीय ड्रेसिंग रूम की बेचैनी बढ़ा रखी है। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुनील गावस्कर ने भी इस मामले को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक न्यूज चैनल से कहा, कप्तान के लिए जरूरी है कि वह आकर कुछ रन बनाए। सूर्यकुमार चौथे नंबर पर आए और फिर से वही शॉट खेलकर आउट हो गए। यह उनके लिए आमतौर पर एक बहुत ही कारगर शॉट है, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन जब आप संघर्ष कर रहे हों, तो शायद आपको तब तक नहीं खेलना चाहिए जब तक आपको परिस्थिति का पूरा अंदाजा न हो जाए। एक बार जब आप जम जाएं और 25 या 30 रन बना लें, तब आप वह शॉट खेल सकते हैं।

एशिया कप:

बांग्लादेशी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे अभिषेक शर्मा रहे प्लेयर ऑफ द मैच, लगातार दूसरे मैच में जीता खिताब

दुबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के सुपर–4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हरा दिया। भारतीय टीम की जीत के हीरो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे। भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर मजबूत शुरुआत दी थी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अगर अच्छी बल्लेबाजी की होती तो स्कोर 200 के आसपास हो सकता था। अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। हार्दिक पांड्या ने 29 गेंद पर 38 और गिल ने 19 गेंद पर 29 रन बनाए। शिवम दुबे 2, कप्तान सूर्यकुमार यादव 5, तिलक वर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 10 रन बनाकर नाबाद रहे। 169 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 पर सिमट गई और 41 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 69 रन की पारी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने खेली। 51 गेंद की पारी में इस बल्लेबाज ने 5 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे टॉप स्कोरर परवेज हुसैन इमोन रहे। उन्होंने 21 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका।

वैभव सूर्यवंशी ने 70 गेंदों पर ठोके 108 रन पर अभिज्ञान उनसे भी आगे, 87 गेंदों पर बनाए हैं 158 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 टीम ने आयुष महात्रे की कप्तानी में 3 मैचों की यूथ वनडे सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम को पहले दो मुकाबलो में लगातार हराते हुए इस वनडे सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। पहले दो मैचों में इंडिया की तरफ से रन बनाने के मामले में टीम के विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू तूफानी बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी से भी आगे रहे। इस सीरीज के पहले दो मैचों में अभिज्ञान ना सिर्फ भारत की तरफ से बल्कि ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं जबकि वैभव सूर्यवंशी उनसे ठीक नीचे यानी दूसरे नंबर पर काबिज हैं। वैभव स्ट्राइक रेट के मामले में अभिज्ञान से आगे हैं, लेकिन अभिज्ञान का औसत इन दोनों मैचों में कमाल का है।

वैभव ने बनाए हैं 70 गेंदों पर 108 रन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले 2 वनडे मैचों में वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग काफी आक्रामक रही है और दोनों ही मुकाबलों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन दोनों मैचों में उन्होंने 70 गेंदों का सामना करते हुए 108 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120.00 का रहा है जबकि औसत 54.00 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 70 रन है और उनके बल्ले से 12 चौके और 7 छक्के लगाए हैं जबकि एक अर्धशतक उनके बल्ले से निकला है।

अभिज्ञान के बल्ले से निकले हैं 158 रन

भारतीय अंडर 19 टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने टीम की सीरीज जीत में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मैचों में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली और 2 मैचों में उन्होंने 158.00 की तगड़ी औसत के साथ 158 रन बनाए हैं और एक बार नाबाद भी रहे।

मोहम्मद शमी का टेस्ट करियर खत्म

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से नाम क्यों गायब... BCCI का प्लान B तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. लेकिन इस टीम में एक बार फिर मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिला. ऐसे में एक तरह से माना जा रहा है कि अब भारतीय टेस्ट टीम से उनका बोरिया बिस्तर लगभग बंध गया है. वेस्टइंडीज की टीम अगले महीने अक्टूबर में दो टेस्ट खेलने के लिए भारत आ रही है. 35 साल के मोहम्मद शमी ने टेस्ट में आखिरी बार भारत के लिए जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेला था. तेज गेंदबाज शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों 229 विकेट निकाले हैं. उस सीरीज के बाद से लगातार भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी अटैक में वो जगह बनाने में नाकाम रहे.

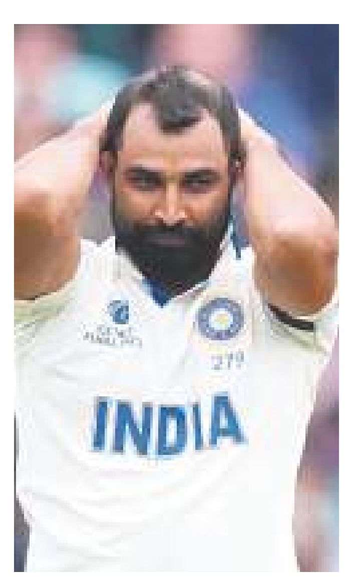

क्यों शमी का टेस्ट टीम से पत्ता कटा, क्या चोटिल रहना वजह – इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और जसप्रीत बुमराह मेन पेस गेंदबाज थे. अर्शदीप सिंह भी इस दौरे पर गए थे, वहीं अंशुल कम्बोज को भी डेब्यू करने का मौका मिला था. हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर बैकअप प्लेयर के तौर पर गए थे. ऐसे में भारत के पास युवा तेज गेंदबाजों का पूल तैयार है. वहीं शमी अब 35 साल के हैं, ऐसे में ङ्खञ्जष्ट की मौजूदा साइकिल (2025-27) के अंत तक उनकी उम्र 37 साल हो जाएगी. वहीं दूसरी बात यह भी है कि शमी का हाल में किसी फर्स्ट्ट क्लास क्रिकेट में भी प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है.

‘क्रिकेट से मस्ती नहीं...’,

सुनील गावस्कर ने गौतम गंभीर-सूर्यकुमार यादव को एशिया कप फाइनल से पहले चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने एशिया कप टी20 के फाइनल में जगह बना ली है. भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार 5वीं जीत दर्ज करते हुए बांग्लादेश को 41 रनों से हराया. हालांकि मैच से पहले बल्लेबाजों की गलतियों ने चिंता बढ़ा दी. अब तक चमकते रहे बल्लेबाजी क्रम में उलटफेर का खामियाजा इस मैच में साफ दिखाई दिया. ओपनर अभिषेक शर्मा ने 37 गेंदों में तूफानी 75 रन ठोके, लेकिन उनके आउट होते ही (12वें ओवर की पहली गेंद पर) भारत का स्कोर 112/3 हो गया. इसके बाद बल्लेबाजों ने रफ्तार खो दी और अंत तक संघर्ष करते हुए भारत 168/6 तक ही पहुंच सका. इस मैच में शिवम दुबे को अप्रत्याशित रूप से नं. 3 पर भेजा गया, तिलक वर्मा को नं. 6 पर उतारा गया और संजू सैमसन को तो बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिला क्योंकि उन्हें नं. 8 पर रखा गया था.

इसी बदलाव पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कड़ी नाराजगी जताई और मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा कप्तान सूर्यकुमार यादव को चेतावनी देते हुए कहा- क्रिकेट से मस्ती नहीं की जाती. गावस्कर ने आजतक से कहा. क्रिकेट मस्ती के लिए नहीं होता. जिस तरह बल्लेबाजी क्रम में उलटफेर किया गया, वह नहीं होना चाहिए था. 168 रन पर्याप्त नहीं थे. बांग्लादेश भले ही लक्ष्य का पीछा न कर पाया, लेकिन कोई मजबूत टीम इसे भारत के लिए समस्या बना सकती थी.

गावस्कर ने कहा कि टीम में संजू सैमसन की भूमिका को लेकर स्पष्टता नहीं है. उनका मानना है कि शिवम दुबे को टॉप ऑर्डर में भेजना सही कदम नहीं था और जरूरत से ज्यादा प्रयोग करने से बचना चाहिए. गावस्कर ने कहा, आपने संजू सैमसन को ओपनिंग से हटाकर विकेटकीपर बना दिया, फिर उन्हें कभी नंबर 5 पर, तो कभी फिनिशर की भूमिका में भेजते हैं. शिवम दुबे का काम 6 या 7 नंबर पर आकर 10 गेंदों में 20-25 रन बनाना है. लेकिन आपने उन्हें तीसरे नंबर पर भेज दिया, जहां वे एडजस्ट ही नहीं कर पाए और आउट हो गए. मेरी नजर में इतने प्रयोग ठीक नहीं हैं.

रोहित शर्मा कमबैक पर दहाड़ने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। 37 साल के रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी की तैयारी करते हुए अपनी फिटनेस में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने ट्रेनिंग के दौरान करीब 10 किलो वजन कम किया। उनके करीबी दोस्त और भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने मुंबई में रोहित की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, रोहित शर्मा को लेकर अभिषेक नायर ने एक स्टोरी शेयर की, जिमसें उन्होंने लिखा, ÷10,000 ग्राम यानी 10 किलो कम करने के बाद भी हम मेहनत जारी रखते हैं। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस और साथी खिलाड़ी उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं।

जिम में कड़ी मेहनत कर रहे हिटमैन – रोहित आईपीएल 2025 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। अब वह जिम में कमबैक के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नायर की देखरेख में उन्होंने ट्रेनिंग की और नया लुक हासिल किया है।

कब खेला था रोहित ने आखिरी मैच – रोहित आखिरी बार मार्च में भारत के लिए खेले थे, जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतकर टीम को खिताब दिलाया था।

फिटनेस टेस्ट पास किया – सितंबर की शुरुआत में बीसीसीआई नेशनल क्रिकेट अकादमी , बेंगलुरु में रोहित ने फिटनेस टेस्ट हुए। रोहित ने यहां यो-यो टेस्ट और ष्ठङ्ग स्कैन (हड्डियों की मजबूती का टेस्ट) आसानी से पास किया। वहीं विराट कोहली ने लंदन से ही अपना फिटनेस रिपोर्ट भेजा और उन्हें टेस्ट से छूट मिली।

कब करेंगे रोहित वापसी – रोहित शर्मा 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में वापसी करेंगे। यह चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद उनका पहला इंटरनेशनल मैच होगा।

हारिस रऊफ और साहिबजादा को मिलेगी भारत से बदतमीजी करने की सजा ! आईसीसी लेगा एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब यह मामला सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तक पहुँच गया है. बीसीसीआई ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के व्यवहार के लेकर सख्त कदम उठाते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की है.पाकिस्तान के गेंदबाज हारिस रऊफ और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के खिलाफ आईसीसी में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. आरोप है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने मैच के दौरान भड़काऊ और आपत्तिजनक इशारे किए थे. 21 सितंबर को खेले गए इस मैच में रऊफ ने ऐसा इशारा किया, मानो विमान को गिरते हुए दिखाया जा रहा हो. माना जा रहा है कि उन्होंने यह भारतीय सेना की कार्रवाई का मजाक उड़ाने के लिए किया. इसके अलावा, गेंदबाजी के दौरान उन्होंने शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को अपशब्द भी कहे, जिनका जवाब दोनों बल्लेबाजों ने अपने बल्ले से दिया. वहीं, साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक लगाने के बाद बल्ले को मशीनगन की तरह चलाने वाला जश्न मनाया. इसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना हुई. खुद फरहान ने बाद में कहा, वह बस एक पल का सेलीब्रेशन था, मुझे फर्क नहीं पड़ता लोग कैसे लेंगे।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, शनिवार 27 सितंबर 2025

संक्षिप्त खबरें

आईपीओ में निवेश के बहाने 3.86 लाख की ठगी में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। आईपीओ में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 3.86 लाख रुपये की ठगी में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में यूपी, सुल्तानपुर के रहने वाले 22 साल के बिलाल और अरमान शामिल हैं। पूछताछ में पता चला कि दोनों मिलकर साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराते थे।

पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों को चार दिन के रिमांड पर लेकर साइबर क्राइम थाना सेंट्रल की टीम पूछताछ कर रही है। मामले में तीन आरोपियों को टीम पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सेक्टर-86 निवासी व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी। इसमें कहा गया कि कुछ दिन पहले उनके व्हाट्सएप पर एक लिंक आया। इस पर क्लिक करते ही उन्हें व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया। बाद में कहा गया कि शेयर बाजार व आईपीओ में निवेश करने पर काफी मुनाफा दिला सकते हैं। इस झांसे में लेकर आरोपियों ने 3.86 लाख रुपये निवेश करा लिए और फिर रिफंड भी नहीं दिया।

संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान मामले में 14 अक्तूबर को होगी सुनवाई

फरीदाबाद। बांस रोड पाली से गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान मामले में अब अगली सुनवाई 14 अक्तूबर को होगी। बृहस्पतिवार को जिला अदालत में वकीलों की हड़ताल के चलते केस की सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने अगली तारीख तय कर दी है। अगली सुनवाई पर अब चार्ज फ्रेम की कार्रवाई हो सकती है। संदिग्ध आतंकी अब्दुल रहमान (19) को 2 मार्च को बांस रोड पाली से पलवल एसटीएफ, गुजरात एटीएस की टीम ने काबू किया था। इसके पास से दो हैंड ग्रेनेड व डेटोनेटर मिले थे, जिन्हें निष्क्रिय किया गया। जांच में पता चला कि अब्दुल रहमान अलकायदा इन इंडियन सब-कांटिनेंट (एक्यूआईएस) के कुख्यात आतंकी अबू सूफियां के संपर्क में था। अबू सूफियां ने ही अपना हैंडलर भेजकर बांस रोड स्थित खेत के पास गड्ढा खुदवाकर जमीन में दो हैंडग्रेनेड के साथ ही डेटोनेटर भी छुपाए थे।

14 साल के किशोर ने छह साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ इलाके के एक गांव में रहने वाली 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यह आरोप इनके पड़ोस में रहने वाले 14 साल के किशोर पर लगाया गया है। बच्ची की मां की शिकायत पर महिला थाना बल्लभगढ़ में किशोर के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस को दी शिकायत में बच्ची की मां ने बताया कि वह अपने पति व बच्ची के साथ रहती है। उसके पति निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। वारदात 23 सितंबर की बताई गई है। महिला का कहना है कि वह कुछ काम से घर से बाहर गई हुई थी। इसी दौरान 14 साल के किशोर ने घर में घुसकर उनकी अकेली मौजूद 6 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया। महिला वापस घर पहुंची तो बच्ची को बदहवास हालत में पाया।

टेलीग्राम टास्क पर मुनाफे का झांसा देकर 11.91 लाख रुपये की ठगी

फरीदाबाद। टेलीग्राम पर प्रीपेड टास्क में मुनाफे का झांसा देकर एक व्यक्ति से 11.91 लाख रुपये ठग लिए गए। आरोपियों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर व्हाट्सएप पर संपर्क किया था। बाद में निवेश करा लिया और रिफंड नहीं दिया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस को मामले में शिकायत बल्लभगढ़ के आदर्श नगर में रहने वाले मनीष भारद्वाज ने दी है।

पहली बार दिल्ली की रामलीला में शामिल हुए पानीपत वाले हनुमान जी, इसलिए है दूर-दूर तक ख्याति

पूर्वी दिल्ली : विवेक विहार स्थित डीडीए ग्राउंड में सजी भव्य रामलीला में इस बार एक नया अध्याय जुड़ गया है। आयोजकों ने दावा किया है कि इस बार दिल्ली की रामलीला में पहली बार पानीपत वाले हनुमान जी शामिल हुए हैं। वह राम जी के बराती बनकर सीता मां के द्वार पर ढोल बाजे के साथ पहुंचे।

बरात में करीब 300 लोग शामिल हुए जिसमें कमेटी के लोग भी मौजूद रहे। भव्य रामलीला सोसाइटी के प्रधान सतीश लूथरा ने बताया कि बरात के दौरान, हनुमान जी केवल एक ही नहीं, बल्कि कई अलग-अलग रूपों में दिखाई दिए। इसके लिए पानीपत के हनुमान जी के विशेष दल को आमंत्रित किया गया था। उनका कहना है कि पानीपत के हनुमान जी की उपस्थिति से लोगों में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, जिससे कि अधिक संख्या में लोग मैदान में पहुंचे।

कौन हैं पानीपत वाले हनुमान जी : पानीपत वाले हनुमान जी अपने अनूठे स्वरूप और सख्त नियम की वजह से मशहूर हैं। वह अपने पूरे शरीर पर सिंदूर का लेप लगाते हैं और अपने सिर पर एक बड़ा सा हनुमान जी मुखौटा पहनते हैं। खास बात यह है कि वह हनुमान जी का स्वरूप धारण करने के लिए दशहरा के 40 दिन पहले ही इसकी शुरुआत कर देते हैं। वह अपना घर-बार छोड़कर मंदिर में रहते हैं और व्रत का पूरा पालन करते हैं। कहा यह भी जाता है कि इस बीच वह 24 घंटे में सिर्फ एक बार अन्न खाते हैं। इसके अलावा वह नंगे पैर ही रहते हैं। साथ ही, जमीन या लकड़ी के तख्त पर सोते हैं। बताया जाता है कि आजादी से 80 साल से भी अधिक समय पहले पाकिस्तान के लैय्या जिले से इस परंपरा की शुरुआत हुई थी। पानीपत में ये परंपरा लैय्या बिरादरी की ही देन हैं। तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

जीएसटी की दरों में छूट से व्यापारियों व उपभोक्ताओं को मिलेगी बड़ी राहत : असीम अरुण

गाजियाबाद। राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार व्यापारियों की समस्याओं को लेकर लगातार गंभीर है। जीएसटी सुधारों का उद्देश्य टैक्स प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी व व्यापारियों के लिए सहज बनाना है। आने वाले चरणों में छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और उद्योग जगत को बड़ी राहत मिलेगी। जीएसटी की दरों में छूट से व्यापारियों व उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने यह बातें बृहस्पतिवार को राकेश मार्ग स्थित एक बैंक्वेट हॉल में नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कहीं।

उन्होंने कहा कि टैक्स प्रक्रिया आसान होने से पारदर्शिता आएगी। कारोबारियों का समय व पूंजी दोनों की बचत होगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि पहले ब्रांडेड घी की एमआरपी 725 रुपये थी, जबकि सुधारों के बाद अब देशी घी की नई एमआरपी मात्र 500 रुपये निर्धारित हुई है। इसका सीधा लाभ दुकानदार और उपभोक्ता दोनों को मिल रहा है। मानकर चलिए कि यह सरकार की ओर से दो के साथ एक फ्री जैसा लाभ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने और व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की

शुरूआत हुई है। वोकल फॉर लोकल और देश में बना, देश का सामान खरीदो जैसे संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। यह अभियान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि गाजियाबाद महानगर का व्यापारी समाज भाजपा की रीढ़ है। पारदर्शी सुधारों के कारण निश्चित ही व्यापारियों को राहत और प्रोत्साहन मिलेगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह, सदर विधायक संजीव शर्मा, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, कार्यक्रम संयोजक राजेश त्यागी, महामंत्री गोपाल अग्रवाल, सुशील त्यागी, महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी समेत अन्य भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली से अब 17 शहरों के लिए चलेंगी डीटीसी की ई-बसें, बोर्ड बैठक में योजना पारित

दिल्ली : करीब दो दशक बाद दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने फिर से अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू कर दी है। हाल ही में यूपी के बड़ौत के लिए छह ई-बसों की शुरूआत की गई है। निगम अब इस योजना को और आगे बढ़ा रहा है। इसके तहत छह राज्यों के 17 शहरों के लिए 100 ई-बसों का संचालन किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि जून में डीटीसी बोर्ड की बैठक में योजना को हरी झंडी दिखाई गई थी। दिल्ली सरकार उत्तराखंड, यूपी, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के 17 शहरों के लिए ई-बसों का संचालन करेगी। विभाग ने बसों की खरीद और सेवा शुरू करने के लिए अन्य राज्यों के साथ समन्वय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नई सेवा शुरू होने के बाद दिल्ली से ऋषिकेश, हरिद्वार, देहरादून, अयोध्या, लखनऊ, मुरादाबाद, अलवर, बीकानेर, जयपुर, अमृतसर, पटियाला, चंडीगढ़, पानीपत और जम्मू तक सीधी बस यात्रा संभव हो सकेगी। यह कदम न सिर्फ यात्रियों के लिए सफर को आसान बनाएगा बल्कि प्रदूषण कम करने में भी मददगार होगा।

इस सेवा के लिए खरीदी जा रही बसें 12 मीटर लंबी व एसी होंगी। ये बसें शहर में चलने वाली सामान्य बसों से बेहतर होंगी। इनमें आरामदायक सीटें, ऐप-आधारित टिकटिंग सुविधा, सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस और पैनिक बटन जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी।

यात्रियों की पुरानी पसंद थी डीटीसी

डीटीसी की अंतरराज्यीय बस सेवा पहले भी बेहद लोकप्रिय रही है। 2004 तक निगम की बसें दिल्ली से अन्य राज्यों में नियमित रूप से चलती थीं। यात्रियों की पहली पसंद होने के बावजूद, डीजल से सीएनजी में परिवर्तन और दूसरे राज्यों में सीएनजी की सुविधा न होने से यह सेवा धीरे-धीरे बंद हो गई। 2010 में पूरी तरह सीएनजी अपनाने के बाद अंतरराज्यीय सेवा भी समाप्त कर दी गई। सरकार को उम्मीद है कि नई ई-बस सेवा शुरू होने के बाद लोग निजी कारों की जगह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे।

अन्य शहरों के लिए जल्द मिलेगी हरी झंडी

अधिकारियों का कहना है कि बसों की खरीद और अन्य राज्यों के साथ तालमेल की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नई बसों की डिलीवरी होते ही सेवा को हरी झंडी दिखा दी जाएगी। इसके शुरू होने के बाद दिल्ली और पड़ोसी राज्यों के बीच यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों को सीधी, आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का नया विकल्प मिलेगा।

ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर हमला, गाली-गलौज कर की मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार; वीडियो वायरल

नई दिल्ली : दिल्ली के तिमारपुर इलाके में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की गई। जिसका वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दिख रहा है कि पुलिसकर्मी को भीड़ ने घेर रखा है और कुछ लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। वारदात 24 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 2:40 बजे की है पुलिस के मुताबिक, सब-इंस्पेक्टर सूरज पाल सिंह तिमारपुर ट्रैफिक सर्कल में ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान एक स्कूटी पर सवार दो लोग वहां से गुजरे और बिना किसी वजह के पुलिसकर्मी से गाली-गलौज करने लगे। जब एसआई सूरज पाल सिंह ने उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई, तो दोनों युवक आक्रामक हो गए। तभी मौके पर मौजूद कुछ और लोग भी उनके साथ मिल गए और पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। वहां मौजूद एक शख्स ने पीसीआर को सूचना दी। थोड़ी देर में पीसीआर वैन और बाकी ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले के आरोप में दो युवकों को पकड़ लिया, जिनके नाम अकबर हुसैन और सलमान है। हालांकि, उनके साथ मौजूद कुछ और लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

हरियाणवी अभिनेता उत्तर कुमार को दुष्कर्म के मामले में मिली जमानत

गाजियाबाद। हरियाणवी फिल्मों के अभिनेता एवं निर्देशक उत्तर कुमार की जमानत अर्जी पर बृहस्पतिवार को एससी-एसटी एक्ट कोर्ट से जमानत मिल गई। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली युवती ने चिकित्सकीय परीक्षण कराने से इन्कार कर दिया था। इसके अलावा पुलिस मामले को झूठा मानते हुए दो बार क्लोजर रिपोर्ट लगा चुकी थी। एससी-एसटी एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश गौरव शर्मा ने जमानत के एवज में दो लाख रुपये का बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानती पेश करने का आदेश दिया। अदालत से मिली जानकारी के अनुसार शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की रहने वाली एक एक्ट्रेस ने 18 जुलाई 2025 को अर्जी दी थी, इसमें बताया था कि वह हरियाणा संगीत और मनोरंजन उद्योग में काम करने वाली कलाकार है। युवती का आरोप था कि उत्तर कुमार ने फिल्मों में काम देने के बहाने कई बार दुष्कर्म किया। बाद में शादी करने का झांसा दिया। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर युवती ने मुख्यमंत्री दरबार लखनऊ में अर्जी लगाई थी। इसके बाद पुलिस ने उत्तर कुमार को अमरोहा से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। आरोपी पक्ष की ओर से अदालत में जमानत अर्जी दाखिल की गई। बृहस्पतिवार को इस पर सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकीलों ने अपने-अपने तर्क रखे। विशेष लोक अभियोजक ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए जमानत का विरोध किया, जबकि बचाव पक्ष ने अभिनेता को झूठे आरोप में फंसाने की बात कही। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। बाद में जमानत अर्जी पर फैसला सुनाया।

महिला से दुष्कर्म कर बनाई अश्लील वीडियो

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सेक्टर-आठ थाना इलाके में महिला से दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। महिला के अनुसार आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया और 1180160 रुपये भी वसूल लिए। इतना ही नहीं, आरोपी के दोस्तों ने भी दुष्कर्म किया और उसका साथ दिया। यह आरोपी महिला के पति के दोस्त बताए गए हैं। महिला की शिकायत पर सेक्टर-आठ थाना में पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस को शिकायत देने वाली महिला यूपी की मूल निवासी है और अब बल्लभगढ़ इलाके में पति से अलग रहती है। महिला के अनुसार पति के दोस्त सेक्टर-चार निवासी रिषभ अक्सर उसके घर आता था। सितंबर 2024 में एक दिन आरोपी घर आया और महिला की कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। आरोपी ने दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना ली।

जमीन के विवाद की रंजिश में नाथूपुर गांव में गला रेतकर चचेरे भाई की हत्या

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-3 थाना क्षेत्र के नाथूपुर गांव में बृहस्पतिवार की सुबह जमीन के विवाद की रंजिश में दो युवकों ने अपने चचेरे भाई की गला रेतकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान एटा (उत्तर प्रदेश) के रामई गांव निवासी राहुल (22 वर्ष) के रूप में हुई है। अपराध शाखा सेक्टर-43 और नाथूपुर चौकी पुलिस टीमों ने हत्या के मामले में संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए दोनों हत्यारोपी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान एटा (उत्तर प्रदेश) के रामई गांव निवासी सचिन (19 वर्ष) व बॉबी (20 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि आरोपी सचिन और राहुल (मृतक) दोनों चचेरे भाई

हैं। पुलिस को सूचना मिली कि गांव में हनुमान मंदिर के पास एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इमारत की दूसरी मंजिल पर कमरा नंबर-77 में एक युवक का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था और गर्दन पर घाव का निशान था। पुलिस ने एफएसएल, डॉग स्क्वाड व सीन ऑफ क्राइम की टीमों को बुलाकर घटनास्थल व शव का निरीक्षण कराया। पुलिस ने कमरे से खून से सना हुआ एक चाकू बरामद किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी पहुंचाया। साथ ही इसकी सूचना परिजनों को दी।

मृतक राहुल के पिता मनवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे दो भाई हैं। उसका छोटा भाई छत्रपाल पिता डोरीलाल के साथ गली-गलौज करता रहता है। उनके पिता डोरीलाल ने भाई छत्रपाल के हिस्से की जमीन 20 सितंबर को उसके नाम कर दी। जिस कारण छत्रपाल उसके साथ लड़ाई-झगड़ा करने लगा था। शिकायतकर्ता मनवीर का बेटा राहुल (मृतक) काम की तलाश में गुरुग्राम आया था और गांव के ही लड़कों यदुवीर, ओमबीर, अनमोल, महेंद्र व बॉबी के साथ ही नाथूपुर गांव में किराये के कमरे पर रह रहा था। शिकायतकर्ता मनवीर ने शक जताया कि राहुल की हत्या उसके भाई छत्रपाल के लड़के सचिन ने गांव के लड़कों के साथ मिलकर की है। मृतक राहुल के पिता मनवीर की शिकायत पर डीएलएफ फेज-3 थाने में हत्या से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। दोनों आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि आरोपी सचिन उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में रहकर मजदूरी का काम करता है। उसने बताया कि उसके दादा डोरीलाल ने उनके हिस्से की जमीन ताऊ मनवीर के नाम कर दी।

दो बच्चियों की हत्या करने के बाद फांसी लगाकर युवक ने दी जान, पांच माह से था बेरोजगार

फरीदाबाद: बल्लभगढ़ सेक्टर-8 के मकान नंबर 1195 में 30 साल के निखिल गोस्वामी ने अपनी डेढ़ माह और दो साल की बच्चियों की हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। निखिल और दोनों बच्चियों के शव अलग-अलग कमरे में पंखे के सहारे में फंदे से लटके मिले। शुरूआती जांच में पता चला है कि डेढ़ महीने पहले प्रसव के दौरान पत्नी पूजा की मौत से निखिल तनाव में था और बीते 4-5 दिन से खाना भी नहीं खा रहा था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े सात बजे मकान के ग्राउंड फ्लोर पर उदयशंकर और उनकी पत्नी रहते हैं। पहली मंजिल पर इनका एक बेटा रहता है, जिसकी पत्नी की छह माह पहले ही मौत हुई है। दूसरी मंजिल पर निखिल अपने दो बच्चों के साथ रह रहा था। निखिल की शादी साल 2019 में पूजा से हुई थी। इनकी दो साल की बच्ची सिद्धि थी। डेढ़ माह पहले दूसरी बच्ची रिद्धि को जन्म देते समय पूजा की मौत हो गई। तब से वह डिप्रेशन में रहने लगा था। बीते 4-5 दिन से तो खाना भी नहीं खा रहा था।

81 करोड़ रुपये से होगा जिले की 34 सड़कों का जीर्णोद्धार

गाजियाबाद। कई वर्षों से सड़कों के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना पर शासन ने इस वर्ष मंजूरी दे देते हुए एस्टीमेट मांग लिया है। जिले की अलग-अलग विधानसभाओं के लिए कुल 81 करोड़ रुपये का एस्टीमेट लोक निर्माण विभाग की ओर से तैयार कर लिया गया है। अधिशासी अभियंता के अनुसार एस्टीमेट पर मंजूरी मिलते ही सड़कों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

मई माह में लोक निर्माण विभाग की ओर से शासन को 194 सड़कों प्रस्ताव जनप्रतिनिधियों के बताए अनुसार भेजा गया था। शासन ने तीन माह बाद प्रस्तावित कार्ययोजना का अवलोकन करने के बाद इसमें से 34 सड़कों का एस्टीमेट विभाग से मांगा है। विभागीय अधिकारियों की ओर से पहले विधानसभा क्षेत्रों का सर्वे किया गया। इसके बाद माप करने और यूटीलिटी शिफ्टिंग का कार्य अंकित करने के बाद एस्टीमेट को तैयार कर लिया गया है।

एस्टीमेट में सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, नवनिर्माण, सड़क सुरक्षात्मक कार्य, विशेष मरम्मत जैसे कार्य शामिल किए गए हैं। इसमें गाजियाबाद शहर की छह, साहिबाबाद की तीन, मुरादनगर छह, मोदीनगर सात, लोनी

की पांच और धौलाना की सात सड़कों को शामिल किया गया है। एस्टीमेट के अनुसार कुल 378.25 किमी की लंबाई की सड़कों में कार्य होने हैं। इसमें शहर में 11.94, साहिबाबाद में 14.87, मुरादनगर में 114.75, मोदीनगर में 118 और धौलाना में 51.77 किमी क्षेत्रफल की सड़कें बनाई जानी हैं।

एस्टीमेट में चार सेतु निर्माण को भी किया गया शामिल : विभाग की ओर से एस्टीमेट में चार सेतु निर्माण भी शामिल किए गए हैं। इसमें गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में एक, साहिबाबाद में एक, मुरादननगर में एक और मोदीनगर में प्रस्तावित सेतु के लिए भी एस्टीमेट तैयार किया गया है।

वकील पिता के हत्यारोपी बेटे को न्यायिक हिरासत में भेजा

गुरुग्राम। वकील पिता की पीट-पीटकर हत्या करने वाले आरोपी बेटे नीरज को बृहस्पतिवार को न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार करके हत्या की वारदात में प्रयोग किए गए क्रिकेट बैट व पाइप बरामद कर लिए थे। पूछताछ के दौरान आरोपी नीरज ने वारदात को अंजाम देने की बात को कबूल लिया था। बता दें कि भीमगढ़ खेड़ी गांव निवासी नीरज (42 वर्ष) शराब व नशे करने का आदी है। मंगलवार की देर शाम नीरज शराब के नशे में घर पहुंचा तो उसकी पत्नी प्रीति सिंह (37 वर्ष) ने नवरात्रों में शराब पीने के लिए टोक दिया था। इसके बाद नीरज अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने लगा। प्रीति का बचाव करने के लिए उसका ससुर वकील गुलाब सिंह (75 वर्ष) आया तो नीरज ने क्रिकेट बैट व पाइप से पिटाई कर दी थी।

फर्जी पहचान पत्र के साथ एक महिला समेत तीन गिरफ्तार

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-43 की पुलिस ने सूचना के आधार पर डीएलएफ फेज-2 के पास से फर्जी पहचान पत्र के साथ एक महिला और दो युवकों को गिरफ्तार किया है। असल पहचान छुपाने के लिए आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्र बनवाए हुए थे। पुलिस ने आरोपियों से नौ फर्जी पहचान पत्र बरामद करके उनके खिलाफ डीएलएफ फेज-2 थाने में एफआईआर दर्ज की है। बृहस्पतिवार को तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों की पहचान बजुरा (नेपाल) के जुवापानी गांव निवासी हेमंत (28 वर्ष), बजुरा (नेपाल) के बनेगांव निवासी युवराज भंडारी (29 वर्ष) और अहलाई (नेपाल) के कल्याली निवासी सुष्मिता (29 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि उनसे बरामद हुए पहचान पत्र फर्जी तरीके से बनवाए गए थे। तीनों आरोपियों के तीन-तीन पहचान पत्र हैं। इन पहचान पत्रों में तीनों के नाम, पिता का नाम व पते अलग-अलग हैं। उन्होंने फर्जी पहचान पत्र घरों से चोरी करने के लिए बनवाए थे। आरोपियों की योजना थी कि वे घरों में घरेलू सहायक बनकर जाएंगे और आईडी मांगने पर फर्जी पहचान पत्र देंगे। इसके बाद घर में काम करने के दौरान विश्वास जीतकर मकान

मालिक व उसके परिवार वालों को कुछ नशीला पदार्थ खिलाकर चोरी करने की वारदात को अंजाम देंगे।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी हेमंत पहले भी मकान मालिक को नशीला पदार्थ पिलाकर चोरी करने की वारदात को अंजाम दे चुका है। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज है और आरोपी मामले में वांछित है। पुलिस को जांच के दौरान यह भी पता लगा कि इन तीनों आरोपियों ने सिरसा में भी एक घर में काम करना शुरू किया और बाद में अपने साथियों के साथ मिलकर घरवालों को बंधक बना लिया। घर से सोना-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी करके भाग गए थे।

कार सवार युवती से छेड़छाड़, विरोध पर भाई-बहन पर हमला

गाजियाबाद। कविनगर थानाक्षेत्र में बाइक सवार मनचलों ने कार में भाई के साथ जा रही युवती पर अश्लील टिप्पणी और इशारे किए। विरोध पर कार को ओवरटेक कर मनचलों ने युवती के भाई के साथ मारपीट कर दी। सड़क पर सरेराह युवती और उसके भाई को पिटता देख राहगीरों ने बाइक सवार दो मनचलों को पकड़ लिया जबकि उनके दो अन्य साथी भागने में कामयाब रहे। राहगीरों ने दोनों मनचलों की पिटाई कर पुलिस को सौंप दिए। युवती के भाई की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि पीड़ित युवक के अनुसार बुधवार को वह अपनी बहन को एयरपोर्ट छोड़ने जा रहे थे। एनडीआरएफ रोड के पास दो बाइकों पर सवार चार युवकों ने उनकी बहन पर अभद्र टिप्पणी की और अश्लील इशारे किए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)